समय से सबकुछ मिलता है, समय से पूर्व की चाहत ही, दुःख का कारण बनती है।

देश का प्रमुख दैनिक समाचार-पत्र

जन जन जागरण

जनहित का सजग प्रहरी

Web Site: www.janjanjagran.com | झांसी और भोपाल से एक साथ प्रकाशित | झांसी, रविवार 30 अगस्त 2026 | वर्ष-16 अंक-07 पृष्ठ-08 मूल्य 3 रुपए

ब्रीफ न्यूज

भारतीय गुणवत्ता और परीक्षण सुविधाओं पर बढ़ा वैश्विक भरोसा: प्रल्हाद जोशी

बेंगलुरु। केंद्रीय उपभोक्ता मामले मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि भारत की परीक्षण सुविधाओं, मानकों और गुणवत्ता को आज दुनिया के कई देशों में मान्यता मिल रही है। राष्ट्रीय परीक्षण गृह (एनटीएच) ने वैश्विक स्तर पर विश्वसनीयता हासिल की है और कई देश भारतीय प्रयोगशालाओं की परीक्षण सेवाओं पर भरोसा कर रहे हैं।

बेंगलुरु में शनिवार को राष्ट्रीय परीक्षण गृह के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन करते हुए जोशी ने कहा कि संस्थान के प्रति अंतरराष्ट्रीय विश्वास लगातार बढ़ रहा है। श्रीलंका, दुबई और भूटान सहित विभिन्न देशों से परीक्षण के नमूने एनटीएच को भेजे जा रहे हैं। यह संस्थान की वैश्विक स्तर की प्रमुख परीक्षण संस्था बनने की क्षमता को दर्शाता है।

मप्र के महाकाल मंदिर को सावन में शीघ्र दर्शन से हुई 14.22 करोड़ की आय

भोपाल/उज्जैन। मध्य प्रदेश में इस वर्ष श्रावण मास के दौरान उज्जैन जिला स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग श्री महाकालेश्वर मंदिर में आस्था का नया कीर्तिमान स्थापित हुआ है। एक माह के दौरान भगवान महाकाल के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा पहली बार डेढ़ करोड़ के पार दर्ज किया गया है। मंदिर समिति को इस दौरान शीघ्र दर्शन टिकटों और लड्डू प्रसादी की बिक्री से करोड़ों रुपये की रिकॉर्ड आय प्राप्त हुई है।

पुंछ के श्री दशनामी अखाड़ा मंदिर पहुंची छड़ी, श्री बूढ़ा अमरनाथ यात्रा सम्पन्न

पुंछ। श्री बूढ़ा अमरनाथ मंदिर में तीन दिन पूर्व स्थापित भगवान शिव और देवी पार्वती का प्रतीक पवित्र चांदी की छड़ी राजगुरु महामंडलेश्वर स्वामी विश्वात्मा नंद सरस्वती की अगुवाई में ढोल बाजे के साथ कड़ी सुरक्षा के बीच पुंछ के श्री दशनामी अखाड़ा मंदिर पहुंची।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों, प्रशासनिक पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में पुलिस की तरफ से सलामी व विधिवत पूजन के बाद अगले वर्ष तक मंदिर में स्थापित किए जाने के साथ ही श्री बूढ़ा अमरनाथ यात्रा सम्पन्न हो गई।

गुवाहाटी-दिल्ली के बीच चार लेन का रेल मार्ग होगा विकसित: हिमंत बिस्व सरमा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने राज्य में रेल कनेक्टिविटी को लेकर बड़ा ऐलान किया है। शुक्रवार रात एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने बताया कि गुवाहाटी और दिल्ली के बीच रेल मार्ग को चार लेन में विकसित करने की योजना है। मुख्यमंत्री के मुताबिक, इससे असम और देश के दूसरे हिस्सों के बीच रेल यातायात को गति मिलेगी।

मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि देशभर में सात रेलवे ट्रैक को चार लेन में बदलने का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि सराईघाट में दूसरे रेलवे पुल के निर्माण का काम जल्द शुरू होने की उम्मीद है।

हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि रेल मार्गों के विस्तार के बाद असम से देश के अन्य हिस्सों के बीच यात्री और मालगाड़ियों की आवाजाही बढ़ेगी। इससे राज्य की रेल कनेक्टिविटी मजबूत होगी और परिवहन व्यवस्था को भी फायदा पहुंचेगा।

राष्ट्रपति मिर्जियोयेव ने गर्मजोशी से किया स्वागत, स्वतंत्रता स्मारक पर प्रधानमंत्री ने अर्पित की पुष्पांजलि

ताशकंद में मोदी का भव्य स्वागत, भारत-उज्बेकिस्तान रिश्तों को नई उड़ान

ताशकंद की धरती पर मोदी का दमदार स्वागत, मिर्जियोयेव ने लगाया गले; रिश्तों में नई गर्माहट!

प्रधानमंत्री की उज्बेकिस्तान यात्रा का आज दूसरा दिन, व्यापार-रक्षा से ऊर्जा और डिजिटल सहयोग तक कई मुद्दों पर होगी अहम बातचीत

ताशकंद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद पहुंचे। यहां राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। मोदी ने राष्ट्रपति के स्वागत के लिए उनका आभार जताते हुए कहा कि उज्बेकिस्तान की उनकी यह चौथी यात्रा दोनों देशों के बीच संबंधों की गहराई और लगातार बढ़ती गति को दर्शाती है।

ताशकंद पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने लिखा कि ताशकंद पहुंचने पर राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया और इस विशेष भाव के लिए वह उनके आभारी हैं। प्रधानमंत्री ने अपना संदेश उज्बेक भाषा में भी साझा किया।

स्वतंत्रता स्मारक पर अर्पित की पुष्पांजलि

ताशकंद पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने यांगी उज्बेकिस्तान पार्क स्थित स्वतंत्रता स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित किया। इस दौरान राष्ट्रपति मिर्जियोयेव भी मौजूद रहे। सैन्य सम्मान के साथ आयोजित औपचारिक समारोह में प्रधानमंत्री ने स्मारक के समक्ष कुछ क्षण खड़े होकर सम्मान व्यक्त किया।

इसके बाद प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति मिर्जियोयेव और वहां मौजूद अन्य अधिकारियों से बातचीत की। दोनों नेताओं की मुलाकात को भारत और उज्बेकिस्तान के बीच बढ़ते रणनीतिक और आर्थिक सहयोग के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

व्यापार से डिजिटल सहयोग तक एजेंडा

प्रधानमंत्री की 29-30 अगस्त की उज्बेकिस्तान यात्रा उनकी इस देश की

चौथी यात्रा है। यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, डिजिटल संपर्क और विकास से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा होगी।

दोनों पक्ष भारत के 'विकसित भारत' और उज्बेकिस्तान के 'यांगी उज्बेकिस्तान' के साझा विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के तरीकों पर भी विचार करेंगे। आर्थिक संबंधों को विस्तार देने के साथ-साथ दोनों देश नए क्षेत्रों में साझेदारी की संभावनाएं तलाशेंगे।

रणनीतिक रिश्तों को नई दिशा देने की तैयारी

प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा ऐसे समय हो रही है जब भारत और उज्बेकिस्तान के बीच सहयोग के नए क्षेत्रों का लगातार विस्तार हो रहा है। दोनों देश राजनीतिक, आर्थिक, सुरक्षा, ऊर्जा, डिजिटल और सांस्कृतिक क्षेत्रों में संबंधों को नई गति देने पर जोर दे रहे हैं।

मोदी की इस यात्रा से दोनों देशों के बीच उच्चस्तरीय संवाद को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। ताशकंद में होने वाली बैठकों में द्विपक्षीय सहयोग के मौजूदा क्षेत्रों की समीक्षा के साथ भविष्य की साझेदारी का रोडमैप तैयार करने पर भी जोर रहेगा।

खतरे के निशान से 8 मीटर ऊपर नदी, रामघाट की पूरी मार्केट डूबी; तेज धार में पुल बहा, यूपी-एमपी का संपर्क टूटा

मंदाकिनी ने मचाई महातबाही! रामघाट जलमग्न, पुल बहा; गांवों तक पहुंचा सैलाब

चित्रकूट में बाढ़ का भीषण कहर, दर्जनों गांव प्रभावित; झांसी-मिर्जापुर हाईवे पर आवाजाही बंद, ड्रोन से निगरानी

चित्रकूट। चित्रकूट में शनिवार को मंदाकिनी नदी ने ऐसा रौद्र रूप दिखाया कि घाट, बाजार, सड़क और पुल सब पानी में समा गए। नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने के साथ रामघाट पूरी तरह जलमग्न हो गया। रामघाट की मार्केट की दुकानें बाढ़ के पानी में डूब गईं। वहीं मध्य प्रदेश की सीमा से लगे नया गांव में मंदाकिनी पर बना पुल तेज बहाव की चपेट में आकर बह गया, जिससे उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बीच संपर्क टूट गया।

शाम पांच बजे तक मंदाकिनी का जलस्तर खतरे के निशान से करीब आठ मीटर ऊपर पहुंच गया था। नदी का पानी लगातार निचले इलाकों की ओर फैल रहा है। हालात को देखते हुए प्रशासन और पुलिस ने मोर्चा संभाल लिया है।

पुल बहा, यूपी-एमपी का संपर्क टूटा

मंदाकिनी के तेज बहाव ने नया गांव स्थित पुल को अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते पुल का हिस्सा पानी के तेज बहाव में बह गया। पुल टूटने से दोनों राज्यों के बीच आवागमन

प्रभावित हो गया है। प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर झांसी-मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही रोक दी है।

जिला मुख्यालय पहुंचने से पहले बने पुल पर भी मंदाकिनी का पानी बह रहा है। कई प्रमुख मार्गों पर पानी भरने से यातायात व्यवस्था चरमरा गई है और चित्रकूट आने-जाने वाले लोगों की परेशानी बढ़ गई है।

रामघाट की दुकानें पानी में डूबीं

मंदाकिनी का जलस्तर बढ़ते ही रामघाट और आसपास के निचले इलाकों में पानी तेजी से भर गया। रामघाट का बड़ा हिस्सा जलमग्न हो चुका है। बाजार की लगभग सभी दुकानें बाढ़ के पानी में डूब गई हैं। बाढ़ का असर धार्मिक गतिविधियों और पर्यटन पर भी पड़ा है। घाटों पर होने वाले धार्मिक अनुष्ठान प्रभावित हुए हैं। प्रशासन ने लोगों से नदी और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से पूरी तरह दूर रहने की अपील की है।

ड्रोन से निगरानी, प्रशासन अलर्ट

बाढ़ की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने ड्रोन कैमरों के जरिए प्रभावित क्षेत्रों की निगरानी शुरू कर दी है। हवाई तस्वीरों और वीडियो में मंदाकिनी का पानी घाटों, पुलों और आसपास के इलाकों में तेजी से फैलता दिखाई दे रहा है। डीएम पुलकित गर्ग और एसपी अरुण कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद हैं। दोनों अधिकारी राहत और बचाव कार्य की निगरानी कर रहे हैं। सुबह से ही नदी किनारे और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को अलर्ट किया गया था।

दर्जनों गांवों पर बाढ़ का खतरा

मंदाकिनी की बाढ़ से रामघाट के अलावा तरौंहा, सीतापुर, पहाड़ी और तिरहार क्षेत्र के दर्जनों गांव प्रभावित हुए हैं। प्रशासन की टीमें लगातार प्रभावित इलाकों में पहुंचकर हालात का जायजा ले रही हैं और जरूरत पड़ने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। उधर मानिकपुर क्षेत्र में बरदहा नदी के उफान पर आने से पाठा क्षेत्र के कई गांवों में भी बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। प्रशासन ने लोगों को तेज बहाव वाले क्षेत्रों में न जाने और बाढ़ के पानी से दूरी बनाए रखने की सख्त हिदायत दी है।

यूपी में भाजपा की चुनावी बिसात बिछाएंगे तावड़े, बूथ से प्रदेश तक होगा 'ऑपरेशन'!

5 सितंबर के बाद पहला दौरा; मतदाता सूची से लेकर पन्ना प्रमुखों तक की होगी पड़ताल, कमजोर बूथों पर बनेगी नई रणनीति

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने संगठन को पूरी तरह चुनावी मोड में लाने की तैयारी तेज कर दी है। नए प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े जिम्मेदारी संभालने के बाद अब पहली बार उत्तर प्रदेश के दौरे पर आने वाले हैं। उनका पहला दौरा 5 सितंबर के बाद प्रस्तावित है। दौरे से पहले प्रदेश संगठन बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक की तैयारियों का विस्तृत रिपोर्ट कार्ड तैयार करने में जुट गया है।

तावड़े के सामने संगठन अपनी चुनावी तैयारियों का पूरा खाका रखेगा। इसके लिए प्रदेश, जिला, मंडल और बूथ स्तर से सूचनाएं जुटाई जा रही हैं। खासतौर पर एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के दौरान मतदाता सूची में जुड़े और हटाए गए नामों का ब्योरा तैयार किया जा रहा है। साथ ही यह भी देखा जा रहा है कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान बूथ स्तर पर पार्टी कार्यकर्ताओं की सक्रियता कितनी रही।

आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा के लिए बूथ प्रबंधन अहम भूमिका निभाएगा। यही वजह है कि नए प्रदेश प्रभारी के सामने बूथ स्तर की वास्तविक स्थिति रखने की तैयारी की जा रही है।

जन-जन में राष्ट्रीयता का भाव जगाना ही संघ का उद्देश्य: डॉ. कृष्ण गोपाल

प्रयागराज। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना का उद्देश्य जन-जन में राष्ट्रीयता और देशभक्ति का भाव जागृत करना है। पिछले 100 वर्षों में संघ ने समाज के वंचित और अभावग्रस्त लोगों की सेवा के साथ राष्ट्रभाव को मजबूत करने का काम किया है। संघ के शताब्दी वर्ष के विभिन्न कार्यक्रमों में अब तक करीब पांच करोड़ लोग सहभागी बन चुके हैं। देशवासियों में संघ को जानने की बढ़ती उत्सुकता को देखते हुए प्रमुख जन संवाद संगोष्ठियां आयोजित की जा रही हैं। यह बात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल ने शनिवार को इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन भवन में आयोजित प्रमुख जन संवाद संगोष्ठी में कही।

उन्होंने कहा कि आज पूरा विश्व पर्यावरण संकट और एक-दूसरे पर वर्चस्व स्थापित करने की होड़ जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। भारत के हिंदू जीवन दर्शन में इन समस्याओं के समाधान का मार्ग है। यह दर्शन सभी के कल्याण की कामना करता है और सभी मत-पंथों के प्रति सहिष्णुता का भाव रखता है। उन्होंने कहा कि हिंदू जीवन दर्शन प्रकृति के प्रत्येक कण में ईश्वर का दर्शन करता है, इसलिए पर्यावरण संरक्षण की भावना भी इसमें निहित है।

रामकृष्ण हेगड़े दूरदर्शी नेता और संस्थाओं एवं नेताओं के निर्माता थे: उपराष्ट्रपति

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत रामकृष्ण हेगड़े महान राजनेता, राष्ट्रवादी और कुशल नेतृत्वकर्ता थे। उन्होंने अनेक नेताओं को तैयार करने के साथ संस्थाओं के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके नेतृत्व में कर्नाटक सुशासन का एक आदर्श बना था। यह बात उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कही।

बेंगलुरु के विधानसौध में आयोजित रामकृष्ण हेगड़े के जन्म शताब्दी समारोह में शामिल होकर उन्होंने हेगड़े के राजनीतिक एवं सार्वजनिक जीवन को याद किया। उन्होंने कहा कि रामकृष्ण हेगड़े केवल एक राजनीतिक नेता नहीं, बल्कि संस्थाओं और नई पीढ़ी के नेताओं के निर्माता थे।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि महान नेता एक क्षण को बदल सकते हैं, लेकिन महान संस्थाओं के निर्माता पीढ़ियों को बदल देते हैं। हेगड़े के सार्वजनिक जीवन और उनके योगदान को इसी दृष्टि से देखा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हेगड़े की ईमानदारी, साहस और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक है। युवाओं को उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए तथा 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ आगे बढ़ना चाहिए। हेगड़े के मूल्यों और आदर्शों को आगे बढ़ाना ही उनकी विरासत को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

समारोह में कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू, केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया सहित रामकृष्ण हेगड़े के परिवार के सदस्य, मित्र और कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

भाजपा का राहुल पर पलटवार, कहा- दलित विरोधी रहा है कांग्रेस का इतिहास

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए राहुल गांधी और उनकी पार्टी को दलित विरोधी बताया। भाजपा प्रवक्ता गुरु प्रकाश पासवान ने कांग्रेस पर तीखा हमला

बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी और उसके युवराज राहुल गांधी का दलित विरोधी चेहरा एक बार फिर बेनकाब हुआ है। शनिवार को अचानक राहुल गांधी पहले किसी घटना को लेकर बयान देते हैं और कई दिनों बाद एफआईआर दर्ज कराने की बात करते हैं। लेकिन सवाल यह है कि आखिर कांग्रेस को किसी घटना की गंभीरता समझने में इतना समय क्यों लगता है? राहुल गांधी किसके इशारे का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लगातार कैसे समाज टूटे, समाज टूटने वाली शक्तियों का साथ दे रहे हैं, और झूठ को आधार बनाकर एक नैरेटिव बनाने का प्रयास करते हैं।

शनिवार को भाजपा मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में प्रवक्ता गुरु प्रकाश ने उदाहरण देते हुए कहा कि वायनाड में जब प्रियंका गांधी नामांकन करने गई थीं, तब गांधी परिवार अंदर था और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे बाहर खड़े रहे। यही कांग्रेस की कथित सामाजिक न्याय की मानसिकता को दिखाता है। आज कांग्रेस दलित सम्मान और भागीदारी की बात करती है, लेकिन इतिहास गवाह है कि बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर से लेकर बाबू जगजीवन राम तक के साथ कांग्रेस का व्यवहार कैसा रहा। बाबू जगजीवन राम जैसे वरिष्ठ नेता को भी कांग्रेस छोड़नी पड़ी।

एनएएम की 65वीं वर्षगांठ पर बेलग्रेड में किरेन रिजिजू करेंगे भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू 31 अगस्त और एक सितंबर को सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड में होने वाली गुटनिरपेक्ष आंदोलन (एनएएम) के पहले शिखर सम्मेलन की 65वीं वर्षगांठ के उच्चस्तरीय स्मृति कार्यक्रम में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि बैठक की विषयवस्तु 'गुटनिरपेक्षता की विरासत - आज की दुनिया के लिए सबक' रखी गई है। भारत गुटनिरपेक्ष आंदोलन का संस्थापक सदस्य है और आंदोलन के सिद्धांतों एवं मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता कायम रखे हुए है।

गुटनिरपेक्ष आंदोलन में वर्तमान में 121 विकासशील देश शामिल हैं। यह आंदोलन ऐतिहासिक रूप से विकासशील देशों को एक साझा मंच है।

नेपाल-तिब्बत में कुदरत का सबसे खौफनाक चेहरा

800 मीटर का ग्लेशियर भरभराकर घाटी में गिरा

800 मीटर का ग्लेशियर टूटा, बर्फ-मलबे संग मौत का सैलाब आया; नेपाल-तिब्बत में मची महातबाही!

682 की मौत, 3 हजार लापता; 287 भारतीय अब भी बेपता, तिब्बत में 400 भारतीय फंसे

काठमांडू/ल्हासा। नेपाल-तिब्बत सीमा पर 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ ने तबाही का ऐसा मंजर दिखाया है, जिसकी तस्वीरें अब सामने आ रही हैं। इस प्राकृतिक आपदा में मरने वालों की संख्या 682 पहुंच गई है, जबकि करीब 3 हजार लोग अब भी लापता हैं। लापता लोगों में 287 भारतीय भी शामिल बताए जा रहे हैं। वहीं करीब 400 भारतीयों के तिब्बत में फंसे होने की जानकारी सामने आई है। नेपाल और चीन में राहत एवं बचाव अभियान लगातार जारी है।

तीन दिन बाद सामने आया तबाही का वीडियो

बाढ़ की भयावहता के तीन दिन बाद ग्लेशियर टूटने का वीडियो सामने आया है। तिब्बत में एक टूर गाइड ग्रुप ने ऊंचाई से इस पूरी घटना को कैमरे में रिकॉर्ड किया। वीडियो में करीब 800 मीटर लंबा ग्लेशियर का हिस्सा अचानक टूटता दिखाई देता है। बर्फ और चट्टानों का विशाल हिस्सा भरभराकर घाटी में गिरता है और कुछ ही क्षणों में नीचे की ओर

मलबे का सैलाब दौड़ पड़ता है।

ग्लेशियर टूटने के साथ बड़ी मात्रा में पानी और मलबा तेजी से नीचे आया। इसके बाद भूस्खलन ने हालात और बिगाड़ दिए। अचानक आई बाढ़ ने नेपाल-तिब्बत सीमा से लगे कई इलाकों में भारी तबाही मचा दी।

675 मौतें नेपाल में, तिब्बत में 7 की पुष्टि

उपलब्ध जानकारी के मुताबिक नेपाल में अब तक 675 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि तिब्बत में 7 लोगों की मौत की पुष्टि की गई है। हजारों लोगों के लापता होने से मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका बनी हुई है। राहत दल नदी, घाटियों और मलबे में लगातार तलाश अभियान चला रहे हैं। आपदा के बाद कई इलाकों में सड़क और संपर्क व्यवस्था प्रभावित हुई है। भारी मलबे और खराब मौसम के कारण रेस्क्यू टीमों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

हाइड्रोपावर सुरंग में जिंदगी की तलाश

नेपाल के नुवाकोट स्थित त्रिशूली-3 'ए' हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की मलबे में दबी सुरंग में रेस्क्यू टीम को ड्रिलिंग के दौरान शुरुआती सफलता मिली है। टीम सुरंग के ऊपरी हिस्से 'क्राउन' तक पहुंच गई है। अब ड्रिल किए गए रास्ते से कैमरा और ऑक्सीजन अंदर भेजी जा रही है, ताकि सुरंग के भीतर की स्थिति का पता लगाया जा सके और संभावित रूप से फंसे लोगों तक ऑक्सीजन पहुंचाई जा सके।

बाढ़ की त्रासदी

तिब्बत से लगे नेपाल के रसुवा और आसपास के क्षेत्रों में बुधवार को आई बाढ़ से बड़े पैमाने पर हुए जान-माल के नुकसान ने सभी को झकझोर दिया है। इस त्रासदी में कई लोगों की जान चली गई, जबकि पांच सौ से ज्यादा लापता हैं, जिनमें सौ से अधिक भारतीय भी शामिल हैं। बाढ़ से कई पुल बह गए और कम से कम एक दर्जन जलविद्युत परियोजनाएं क्षतिग्रस्त हो गईं। प्रारंभिक अध्ययन रिपोर्टों और उपग्रह से ली गई तस्वीरों के विश्लेषण से पता चला है कि नेपाल-तिब्बत सीमा के पास पहाड़ी से चट्टानों के खिसकने के बाद बाढ़ आई। यानी यह हिमालय की संवेदनशीलता और उसकी पारिस्थितिकीय प्रकृति को समझने तथा विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाने को लेकर एक गंभीर चेतावनी है। बाढ़ की खौफनाक तस्वीरों से यह समझना मुश्किल नहीं है कि जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है, तो मानव सभ्यता उसके आगे बेबस हो जाती है। प्रकृति और मनुष्य का संबंध अत्यंत गहरा एवं परस्पर निर्भरता पर आधारित है और जब इसमें कृत्रिम असंतुलन होता है, तो यह विनाशकारी घटनाओं का कारण बनता है।

खबरों के मुताबिक, सबसे पहले भोटे कोशी नदी में अचानक बाढ़ आई, जिससे तिब्बत की सीमा से लगे नेपाल के रसुवा और धादिंग जिले प्रभावित हुए। पानी और मलबे का बहाव इतना तेज था कि आसपास के धादिंग, नुवाकोट और चितवन जिले भी इसकी चपेट में आ गए। बाढ़ से लापता भारतीयों में से ज्यादातर तिब्बत में कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए जा रहे थे। नेपाल के बाढ़ पूर्वानुमान प्रभाग के मुताबिक, पहाड़ी से चट्टानों एवं मिट्टी के खिसकने से नदी अवरुद्ध हो गई और वहां बनी झील के टूटने से भीषण बाढ़ आई। यह त्रासदी इस बात का संकेत है कि हिमालयी क्षेत्र पारिस्थितिकीय रूप से कितना संवदेनशील है। प्रकृति हमें जल, वायु, भूमि, वन और जीवन के लिए आवश्यक अनेक संसाधन प्रदान करती है। मगर विकास और आधुनिक जीवन की दौड़ में मनुष्य ने प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखने के बजाय उसका अंधाधुंध दोहन शुरू कर दिया है। जंगलों की कटाई, पहाड़ों का अतिक्रमण, नदियों के मार्गों में हस्तक्षेप और अनियोजित निर्माण जैसे कार्यों का परिणाम बाढ़ जैसी विनाशकारी त्रासदियों के रूप में सामने आ रहा है।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिन नदियों को नेपाल की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा-संभावना की जीवनरेखा माना जाता है, उन्हीं के किनारे बेतरतीब बस्तियां, सड़कें और अन्य ढांचागत संरचनाएं तैयार कर दी गई हैं। विकास आवश्यक है, लेकिन इस क्रम में पहाड़ों की प्रकृति की अनदेखी अंततः जोखिम का विस्तार बन जाता है। जलवायु परिवर्तन ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया है। मौसम का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। कहीं लंबे समय तक सूखा पड़ता है, तो कहीं बहुत कम समय में अत्यधिक वर्षा या बादल फटने की घटनाएं बढ़ रही हैं। साफ है कि पर्यावरण के साथ छेड़छाड़ बाढ़ जैसी त्रासदी को जन्म देती है। बहरहाल, विदेश मंत्रालय का कहना है कि नेपाल में बाढ़ से प्रभावित भारतीय नागरिकों के बचाव और उन्हें राहत पहुंचाने के लिए वहां की सरकार के साथ लगातार संपर्क एवं समन्वय किया जा रहा है। मगर, इस बाढ़ से नेपाल के साथ लगते बिहार और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी खतरा मंडराने लगा है। केंद्र और राज्य सरकारों को चाहिए कि वहां एहतियाती तौर पर सुरक्षा के माकूल प्रबंध किए जाएं, ताकि किसी तरह के नुकसान से बचा जा सके।

संकट की आहट

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में स्वाइन फ्लू के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, जो सरकार और नागरिकों दोनों के लिए चेतावनी का संकेत है। बीते चौबीस घंटे में यहां 138 नए मामले सामने आए, जिससे कुल प्रभावित लोगों की संख्या 2,446 हो गई है। हालांकि सरकार सतर्क नजर आ रही है और उसकी तैयारियों एवं अधिकारियों की नियमित बैठकों से स्पष्ट है कि स्थिति गंभीर होती जा रही है। मगर सवाल है कि स्वाइन फ्लू के छिटपुट मामले पिछले कुछ वर्षों से सामने आते रहे हैं, लेकिन इस बार ऐसा क्या हुआ कि इस बीमारी से पीड़ितों की संख्या लगातार बढ़ रही है? क्या शुरू में इस बीमारी को गंभीरता से न लेने की वजह से इसका प्रसार इतनी तेजी से हुआ है? जाहिर है कि अगर समय रहते लोगों को सचेत करने के साथ ही स्वास्थ्य व्यवस्था के तंत्र को अतिरिक्त सावधानी बरतने के लिए तैयार कर दिया गया होता, तो स्थिति को शुरू में ही नियंत्रित किया जा सकता था। अगर अब भी सरकार की ओर से जमीनी स्तर पर व्यवस्थाओं को चुरस्त-दुरुस्त नहीं किया गया, तो जो जटिल स्थितियां पैदा होंगी, उनसे निपटना आसान नहीं होगा।

निस्संदेह यह समय सभी के लिए सजग रहने का है, क्योंकि देश के अन्य राज्यों में भी स्वाइन फ्लू के मामले सामने आ रहे हैं। दिल्ली के अस्पतालों में इस बीमारी के लक्षणों वाले रोगियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हालांकि, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने स्पष्ट किया है कि कोई नया विषाणु नहीं आया है, यह हर साल आने वाली मौसमी बीमारी है। बावजूद इसके आम नागरिकों को भी अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए और चिकित्सकों के परामर्श पर अमल करना चाहिए। स्वच्छता का ध्यान रखने और भीड़भाड़ वाली जगहों से परहेज करने की जरूरत है। शासन-प्रशासन को भी कोरोनाकाल के कटु अनुभवों को ध्यान में रखते हुए दिल्ली और दूसरे राज्यों के अस्पतालों में दवाइयों एवं चिकित्सकों की पर्याप्त व्यवस्था करनी होगी, ताकि मरीजों के उपचार में किसी तरह की कमी न रहे। इसके साथ ही आम लोगों को बचाव के उपायों और उचित समय पर चिकित्सकीय सलाह लेने के संबंध में जागरूक करने की भी जरूरत है।

व्यवस्था में जवाबदेही की दरकार

आज देश में ज्यादातर जगहों पर व्यवस्था भ्रष्टाचार में उलझी हुई नजर आती है। इसे जड़ से खत्म करने के दावे तो किए जाते हैं, लेकिन उन्हें हकीकत में बदलने की इच्छाशक्ति गौण है।

सुरेश सेठ

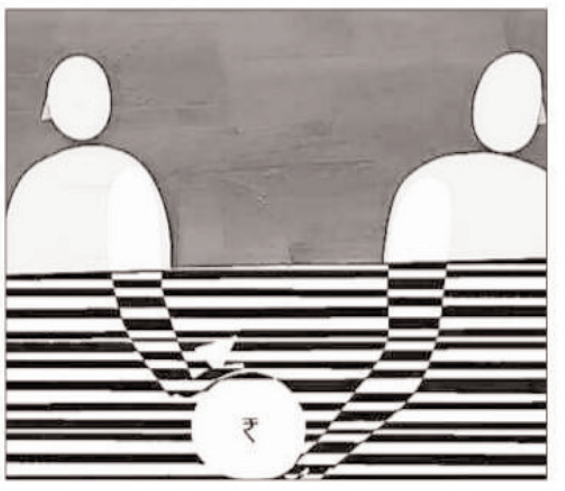

भारतीय राजनीति के चेहरे को पहचानना अब आसान नहीं है। नेता जब चुनाव मैदान में उतरते हैं, तो उनके खास नारों में भूख मिटाने और बेरोजगारों को नौकरियां देने के वादे शामिल रहते हैं। भ्रष्टाचार खत्म कर देने के भी पुरजोर दावे होते हैं। मगर जब वे सत्ता में आते हैं, तो इन सभी मुद्दों पर चुप्पी साध लेते हैं। विचित्र बात यह है कि पद संभालते ही उनका एक प्रिय संदेश होता है कि भ्रष्टाचार कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। तब जिस लोक कल्याणकारी व्यवस्था की कल्पना वे प्रस्तुत करते हैं, उसमें किसी को भी भूख से न मरने देने की गारंटी तो होती है, लेकिन नौकरियां देने का कोई संकल्प नहीं होता। यह विडंबना नहीं, तो और क्या है। देश को डिजिटल और कृत्रिम मेधा में सर्वश्रेष्ठ बना देने की बड़ी-बड़ी बातें होती हैं, लेकिन महत्त्वपूर्ण परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक नहीं होंगे, इसकी कोई गारंटी नहीं होती। सत्तारूढ़ नेताओं के प्रिय वाक्यों में एक यह भी रहता है कि इस बार बरसात का सामना करने के लिए हम तैयार हैं। जनता को आवागमन में कोई दिक्कत नहीं होगी। जलभराव को रोकने और जनजीवन को सुरक्षित रखने के लिए सभी उपाय कर लिए गए हैं। मगर हकीकत में ऐसा कुछ भी नहीं होता। कुछ घंटों की बारिश में ही सड़कें जलमग्न हो जाती हैं। ज्यादातर रास्तों पर बने गड्ढे अंधे कुएं में बदल जाते हैं।

हरियाणा का गुरुग्राम औद्योगिक और व्यावसायिक दृष्टि से आधुनिक है। यहां भी यह हाल है कि पिछले दिनों दो घंटे की तेज बारिश से इलाका जलमग्न हो गया। इससे पता चलता है कि हमारी व्यवस्था किस कदर विफल है। देश भ्रष्टाचार के दलदल में अगर डूबा है, तो इसके लिए जिम्मेदार वे नेता हैं, जो यह दावा करते आए हैं कि भ्रष्टाचार को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और फिर उसे होने देते हैं। भ्रष्टाचार के आरोप में कुछ नेता अवश्य पकड़े जाते हैं, लेकिन ऐसा कभी नहीं पाया गया कि किसी को बड़ी सजा दी गई हो और उसका दूरगामी प्रभाव पड़ा हो। दूसरी ओर, राज्य सरकारें अपने-अपने क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने के लिए नियम बनाती हैं, लेकिन जब वे असुविधा पैदा करने लगते हैं, तो भ्रष्ट आचरण शुरू हो जाता है। हर फाइल को आगे बढ़ाने के लिए चांदी के पहिए लगाए जाते हैं। इनको ढोने वाले बीच के लोग भी इस संस्कृति के वाहक बन जाते हैं। इस लिहाज से देखें, तो मानसून में जलभराव न सिर्फ प्रशासनिक लापरवाही, बल्कि भ्रष्ट तौर-तरीके अपनाने वाले तंत्र की कलई भी खोलते हैं।

एक उदाहरण उत्तर प्रदेश से लिया जा सकता है। यहां 4,200 करोड़ रुपए की लागत से 63 किलोमीटर लंबे लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन कुछ समय पहले हुआ था। तब इसे राज्य में आवागमन के लिए बड़ी उपलब्धि बताया गया था। यह भी कहा गया कि इस मार्ग से यात्रा करने में समय की बहुत बचत होगी। मगर जब बारिश हुई, तो जिस एक्सप्रेस-वे को वर्षों तक चलना था, वह एक महीने में ही धंस गया। दावा किया गया कि राजमार्ग आधुनिक तरीके से बनाया गया है। यह भी कहा गया कि अमेरिका और जर्मनी के बाद भारत में पहली बार नई तकनीक से सड़क बनी है। मगर क्या वजह रही कि इस मार्ग पर बारिश पड़ते ही उन्नाव से लखनऊ के बीच पैंतालीस किलोमीटर के हिस्से में इतनी टूट-फूट हो गई कि चालीस जगह उसकी मरम्मत कराने की जरूरत पड़ गई। आज कहीं से कोई सवाल नहीं उठता। इस बार भी किसी ने नहीं पूछा कि जिस सड़क को मजबूत बनाने का दावा किया गया था, वह निर्माण के एक महीने से भी कम समय में कैसे खराब हो गई? किन ठेकेदारों ने इसे बनाया और किन अधिकारियों ने इसके गुणवत्तापूर्ण निर्माण की मंजूरी दी। सवाल कोई नहीं पूछेगा। कोई पूछ भी लेगा, तो उसे जवाब नहीं मिलेगा। इस मामले में बस इतना भर हुआ कि मरम्मत पूरी होने तक, टोल टैक्स लेना बंद कर दिया गया और ठेकेदार को काली सूची में डाल दिया गया। मगर सवाल यह है कि एक्सप्रेस-वे पर आवागमन शुरू करने के लिए जिन अफसरों ने हरी झंडी दिखाई, उन पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई? हालांकि अब जांच होगी, लेकिन भ्रष्टाचार की कीमत उस जांच को खा जाएगी। यह स्थिति उत्तर प्रदेश में ही नहीं, बल्कि सभी जगह यही हाल है।

> **आज देश में विकास के दावे तो किए जा रहे हैं, लेकिन इस क्रम में भ्रष्ट तंत्र ने बाधाएं भी खड़ी की हैं। ऐसी स्थिति में समाधान एक ही है- 'यहां सब चलता है' की मनोवृति को अब बदलना होगा। बिचौलिया संस्कृति को खत्म करना होगा। निर्माण कार्यों का ईमानदारी से निरीक्षण हो। काम पूरा होने का प्रमाणपत्र सभी कसौटियों पर परख के बाद ही दिया जाए। यह निराशाजनक ही है कि ज्यादातर जगहों पर ऐसा नहीं हो रहा है। आज भ्रष्टाचार में जकड़ी हुई व्यवस्था को दुरुस्त करने की जरूरत है। यह तभी संभव होगा, जब संबंधित विभागों और उनके आला अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी और सख्त नियम बना कर दोषियों को न्याय के कठघरे में लाया जाएगा। समूचे तंत्र में बुनियादी परिवर्तन अब समय की जरूरत है।**

आज जहां भी बारिश होती है, शहरों के नियंत्रण कक्ष में गंदे पानी की आपूर्ति से लेकर जलभराव की शिकायतों का अंबार लग जाता है। यह देश में आम नजारा है कि एक घंटा बारिश होती है और तीन-चार घंटे तक सड़कों पर पानी जमा रहता है। ऐसी तस्वीरें पंजाब से लेकर दिल्ली और बिहार से लेकर मुंबई तक में आमतौर पर दिखाई देती है। जलभराव की वजह यह है कि नालों और सीवर की समय पर सफाई नहीं होती। उखड़ी हुई सड़कों की मानसून से पहले मरम्मत नहीं होती। विचित्र बात है कि बरसात के दिनों में ही नई योजनाएं शुरू होती हैं। दूसरी ओर, नदी-नालों से लेकर बांधों तक से गाद नहीं हटाई जाती। अलबत्ता वादे जरूर किए जाते हैं, लेकिन उन पर अमल नहीं किया जाता। इसकी वजह समझना कोई मुश्किल नहीं है।

आज देश में विकास के दावे तो किए जा रहे हैं, लेकिन इस क्रम में भ्रष्ट तंत्र ने बाधाएं भी खड़ी की हैं। जहां-जहां नई बस्तियां विकसित की गईं, उसकी आड़ में नदियों के किनारे अतिक्रमण कर रिहाइशी इमारतें भी बनाई गईं। विकास योजनाओं में लापरवाही बरती गई। नालों की सफाई में घोटाले का नतीजा यह कि बारिश में सड़कें लबालब भर जाती हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण गुरुग्राम में दिखता है। जलंधर, लुधियाना और अमृतसर में तो राजमार्ग तक पानी भर जाता है। व्यवस्था किस कदर भ्रष्ट तंत्र का शिकार हो गई है, इसे इन मामलों से समझा जा सकता है। सवाल है कि अधिकारी समय से पहले काम पूरा होने पर ध्यान क्यों नहीं देते। अगर काम होता भी है, तो उसकी ईमानदारी से निगरानी कर ठेकेदारों पर सख्त कार्रवाई क्यों नहीं होती?

आज अधिकतर राज्यों में गंदे पानी की आपूर्ति की शिकायतें आम हैं। इस मामले में हर शहर में मनमानी और लापरवाही बरती जाती है। ठेकेदारों की सांठगांठ किसी से छिपी नहीं है। ठेका लेने वालों ने ईमानदारी से काम किया या नहीं, कहीं घटिया सामग्री का इस्तेमाल तो नहीं हुआ, इसकी किसी स्तर पर जांच नहीं होती। जब शिकायतें बढ़ जाती हैं, तब अधिकारी जागते हैं। मगर इससे पहले काम पूरा होने का प्रमाणपत्र ठेकेदारों को मिल चुका होता है। नतीजा यह कि अधूरे और लापरवाही से किए गए कार्यों को जनता झेलती है। ऐसी स्थिति में समाधान एक ही है- 'यहां सब चलता है' की मनोवृत्ति को अब बदलना होगा। बिचौलिया संस्कृति को खत्म करना होगा। निर्माण कार्यों का ईमानदारी से निरीक्षण हो। काम पूरा होने का प्रमाणपत्र सभी कसौटियों पर परख के बाद ही दिया जाए। यह निराशाजनक ही है कि ज्यादातर जगहों पर ऐसा नहीं हो रहा है। आज भ्रष्टाचार में जकड़ी हुई व्यवस्था को दुरुस्त करने की जरूरत है। यह तभी संभव होगा, जब संबंधित विभागों और उनके आला अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी और सख्त नियम बना कर दोषियों को न्याय के कठघरे में लाया जाएगा। समूचे तंत्र में बुनियादी परिवर्तन अब समय की जरूरत है।

यादों का झरोखा

सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

वे दिन जो छिटक कर पीछे छूट गए हैं, वे कहीं मरते नहीं। वे बस मन की किसी भीगी हुई अलमारी के कोने में चुपचाप बैठ जाते हैं, जहां धूल तो जमती है, पर समय का पानी उन्हें धुंधला नहीं कर पाता। जब कभी आधी रात को गांव के घर की छप्पर से टपकती बूंदों की आवाज याद आती है या किसी पुराने सूटकेस से सूखे हुए गुलाब की महक उठती है, तो शरीर में सिरहन-सी दौड़ पड़ती है। इंसान सब कुछ कमा लेता है, ऊंचे से ऊंचे ओहदे पर बैठ जाता है, चमचमाती गाड़ियों की पिछली सीट पर बैठकर शहर की रोशनियों को निहारता है, लेकिन कहीं एक बच्चा अकेला खड़ा होकर अपनी मां के आंचल की छांव ढूंढ़ रहा होता है।

मनीषियों ने शायद ऐसे ही किसी विरह, ऐसी ही किसी तड़प को याद करते हुए लिखा था- 'जब दिल में पुराने किसी अपने के दूर चले जाने का तीव्र उद्वेग उमड़ता है, तो कंठ रुंध जाता है, आंखें भर आती हैं और कुछ भी साफ दिखाई नहीं देता।' सच ही तो है, हम चाहे जितने आधुनिक हो जाएं, पर अतीत का वह धागा जब खींचा जाता है, तो भीतर से आदमी इस कदर छिल जाता है कि कोई मरहम काम नहीं आता।

वह पुराना घर, जहां धूप भी दीवारों से छनकर बड़े सलीके से आती थी, अब सिर्फ हमारी बंद आंखों में ही सलामत है। उस घर के हर एक कोने में हमारी हंसी के कंकड़ और आंसुओं की नमी बिखरी पड़ी है। मां का वह रसोईघर, जहां सुबह-सुबह जलती हुई लकड़ी का धुआं आंखों में लगता था, पर उस धुएं से उठने वाली रोटियों की गंध पूरी दुनिया के इत्र से बढ़कर थी। पिता की वह पुरानी साइकिल वाला ऐनक का डब्बा, जिसे छूने से भी हम डरते थे, आज जब वह याद आता है, तो लगता है कि काश! एक बार फिर उस डांट को सुनने के लिए सब कुछ न्योछावर किया जा सके। हम कहां भूल पाते हैं? हम तो बस भूलने का ढोंग करते हैं, ताकि दुनिया हमें कमजोर न समझे।

हम दिन भर हंसते हैं। दफ्तरों में बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, मुस्कुराकर तस्वीरें खिंचवाते हैं, लेकिन जैसे ही शाम ढलती है और हम अपने अकेले कमरे में पहुंचते हैं, तो वह पुरानी कसक किसी धारदार चाकू की तरह हमारी रूह को चीर देती है। दरअसल, हम सब अपने-अपने हिस्से का अकेलापन जी रहे हैं। वह अकेलापन और कुछ नहीं, वही पुराने दिनों की अधूरी छोड़ दी गई बातें हैं। वे दोस्त, जो कभी एक ही कप चाय को चार हिस्सों में बांटकर पिया करते थे, आज न जाने किन-किन शहरों की बड़ी-बड़ी इमारतों में खो गए हैं। अब उन तक पहुंचने के लिए हमारे पास सिर्फ एक फोन नंबर है, जिस पर काल करने से पहले हम दस बार सोचते हैं कि कहीं वह व्यस्त तो नहीं होगा? वह नीम का पेड़, जिसके नीचे हमने न जाने कितने ख्वाब बोए थे, आज शायद काट दिया गया होगा, पर हमारे भीतर उस पेड़ की पत्तियां आज भी खड़खड़ाती हैं। जब कोई बहुत खुशहाल इंसान भी अचानक किसी सुंदर चीज को देखकर या मधुर स्वर को सुनकर अचानक उदास और बेचैन हो जाता है, तो असल में उसका मन बिना जाने ही अपने अतीत के गहरे, अमिट छापों और पुराने आत्मीय संबंधों को याद करने लगता है।

हम जितने बड़े होते जाते हैं, हमारा बचपन हमसे उतना ही दूर एक स्टेशन पर छूट जाता है और हम एक ऐसी ट्रेन में सवार हो जाते हैं, जिसकी कोई वापसी नहीं है। बारिश की वह पहली बूंद, जब मिट्टी पर पड़ती है, तो जो सोंधी खुशबू हवा में घुलती है, वह सीधे खींचकर बचपन के उस आंगन में खड़ा कर देती है, जहां हम नंगे पांव कागज की नाव तैराया करते थे। अब हमारे पास महंगे जूते हैं, पानी से बचने के लिए छतरियां हैं, लेकिन वह बारिश अब कभी वैसी नहीं होती। अब पानी सिर्फ बाहर गिरता है, मन के अंदर सब कुछ सूखा रह जाता है।

हम शहर के जहर को पीते-पीते इतने सख्त हो चुके हैं कि अब रोना भी चाहें तो आंसू पलकों के किनारे आकर जम जाते हैं। वे बचपन की बातें, मां की गोदी में सिर रखकर सो जाने का वह बेफिक्र सुकून, अब किसी भी कीमत पर वापस नहीं खरीदा जा सकता। जीवन असल में एक लंबा शोक-गीत है, जिसे हम मुस्कुराकर गाने की कोशिश करते हैं। जो चला गया, वह फिर कभी लौटकर नहीं आता, चाहे हम कितनी ही प्रार्थनाएं कर लें, कितनी ही मन्नतें मांग लें। मगर वह बीता हुआ समय हमारे भीतर एक ऐसा घाव छोड़ जाता है, जो कभी भरता नहीं, बस उस पर यादों की एक हल्की-सी परत जम जाती है।

जब भी हवा का कोई झोंका उस परत को हटाता है, तो हम फिर से वही बेबस इंसान बन जाते हैं, जो अपने गुजरे हुए कल के सामने हाथ जोड़े खड़ा रहता है। श्रीमद्भागवत का वह भाव जब उद्धव कृष्ण से विदा लेते हैं, कुछ ऐसा ही है कि जब सब कुछ छूट रहा होता है, तो केवल उस दयालु भाव का ही सहारा बचता है। जिंदगी के इस सफर में हम सब एक-दूसरे से बिछड़ते हुए यात्री हैं, जो अपनी-अपनी पोटली में गुजरे हुए जमाने के कुछ सूखे आंसू और पुरानी हंसी जैसी यादें सहेजकर चल रहे हैं। यादों के झरोखे हमें अतीत के अनुभवों का एहसास कराते रहते हैं। जब तक सांसें हैं, यह टीस बनी रहेगी और जब आंखें बंद होंगी, शायद तभी इस छूटे हुए जमाने से हमारी आखिरी मुलाकात होगी।

दुनिया मेरे आगे

> **हम जितने बड़े होते जाते हैं, हमारा बचपन हमसे उतना ही दूर एक स्टेशन पर छूट जाता है और हम एक ऐसी ट्रेन में सवार हो जाते हैं, जिसकी कोई वापसी नहीं है। बारिश की वह पहली बूंद, जब मिट्टी पर पड़ती है, तो जो सोंधी खुशबू हवा में घुलती है, वह सीधे खींचकर बचपन के उस आंगन में लाकर खड़ा कर देती है।**

भंडारण की चिंता

चीनी के दाम लगातार बढ़ना सरकार के लिए गंभीर चेतावनी है। बीते दो महीनों में चीनी की कीमतों में वृद्धि इस बात का संकेत है कि आवश्यक खाद्य वस्तुओं के बाजार में केवल मांग और आपूर्ति ही नहीं, बल्कि मौसम, परिवहन लागत, निर्यात नीति और जमाखोरी जैसे अनेक कारक एक साथ असर डाल रहे हैं। सरकार ने चीनी के दामों को नियंत्रित करने के लिए दस लाख टन चीनी आयात करने, कारोबारियों की भंडारण सीमा तय करने और जमाखोरों के खिलाफ कार्रवाई जैसे कदम उठाए हैं। मगर सवाल यह है कि ऐसे कदम संकट गहराने के बाद ही क्यों उठाए गए? सरकार का तर्क है कि चीनी की महंगाई के लिए एथेनाल नीति जिम्मेदार नहीं है। एथेनाल उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले गन्ने का हिस्सा घटा है। इसका लगभग तीन-चौथाई हिस्सा अनाज, विशेषकर मक्के से आता है। यह स्पष्टीकरण अपनी जगह है, लेकिन खाद्य सुरक्षा का प्रश्न केवल एथेनाल तक सीमित नहीं है। सरकार को यह देखना होगा कि देश की जरूरतों के मुकाबले चीनी, गेहूं, चावल, दाल, खाद्य तेल और अन्य वस्तुओं का भंडार है या नहीं?

- विभूति बुपक्या, दिल्ली

जागरूकता की जरूरत

देश में कैंसर तेजी से फैल रहा है। इस बीमारी से सर्वाधिक प्रभावित उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी मानता है कि कैंसर के मामलों को जोखिम कारकों पर नियंत्रण रख कर कम किया जा सकता है। इन प्रमुख कारणों में तंबाकू, गुटखा, शराब, असंतुलित खान-पान, मोटापा, शारीरिक निष्क्रियता, प्रदूषण और कुछ संक्रमण शामिल हैं। इसके साथ रासायनिक कीटनाशकों के उपयोग, खाद्यान्नों में रासायनिक अवशेष और दूषित जल तथा मिट्टी के प्रति लंबे समय तक होने वाला संपर्क भी चिंता का विषय है। इसे रोकने के लिए सरकारी प्रयासों के साथ जन-जागरूकता की भी नितांत जरूरत है। तंबाकू नियंत्रण, स्वस्थ भोजन, जैविक एवं कम-रसायन वाली खेती, कीटनाशक अवशेषों की जांच, स्वच्छ जल, प्रदूषण नियंत्रण तथा गांवों में स्वास्थ्य जांच को सरकारी योजनाओं में शामिल किया जाना चाहिए। कैंसर के विरुद्ध असली विजय अस्पतालों में नहीं, बीमारी पैदा होने से पहले उसके कारणों को रोकने में है।

- ओपी चौधरी, रतलाम, मप्र

फैसले पर सवाल

स्वस्थ लोकतंत्र में सरकार का यह दायित्व होता है कि वह जनता की आवाज सुने। झारखंड में हुए कुछ फैसलों से सवाल उठे हैं, जिन पर ध्यान देना जरूरी है। राज्य में फिलहाल दो हजार से अधिक लोगों की नौकरियां खतरे में हैं। इससे कार्यालयों में कामकाज प्रभावित होगा और पहले से सुस्त प्रशासनिक प्रणाली में और शिथिलता आएगी। आयोग की परीक्षाओं में कई अभ्यर्थी अपनी प्रतिभा के बल पर सफल हुए थे। अब उनकी नौकरी संकट में है, तो इसका उत्तरदायी कौन है? उनका दोष क्या है? उनके परिवारों का भरण-पोषण कैसे होगा? गरीब और मध्यवर्गीय परिवार में किसी व्यक्ति की सरकारी नौकरी जाना आजीविका पर सवाल है। आंदोलन कर रहे छात्रों की मांग सही है कि परीक्षा प्रणाली में सुधार होना चाहिए। पारदर्शिता और शुचिता के साथ भर्ती प्रक्रिया पूरी होनी चाहिए, मगर इसमें उन ईमानदार अभ्यर्थियों के हितों का भी ध्यान रखना जरूरी है, जो अपनी प्रतिभा के बल पर चयनित हुए हों।

- विवेक प्रताप सिंह, अलीगढ़, उप्र

बिन पानी सब सून

हम नदियों के जल को समुद्र में बहने से रोक कर उसका उपयोग कर सकते हैं। इसलिए हमें जल को सहेजना होगा। इसके लिए जल संरक्षण के उपाय करना जरूरी है। तभी अल्प वर्षा और सूखे की स्थिति में सहेजे गए जल का उपयोग हम कर सकेंगे। इसके अलावा जल की बर्बादी रोकने के लिए भी पहल की जानी चाहिए। वर्षा जल संचय के लिए लोगों को प्रेरित करना चाहिए, ताकि जल संकट का सामना न करना पड़े। यदि जल को नहीं सहेजा गया, तो एक दिन पानी की कीमत कई गुना बढ़ जाएगी। नदियों में जलकुंभियों और गाद की सफाई भी जरूरी है। बारिश के दिनों में नदियां स्वतः कूड़ा-करकट बहा कर ले जाती हैं, लेकिन बाद में इनमें कोई भी गंदगी और पूजन सामग्री विसर्जित करना अनुचित है। अगर अब भी जल के संरक्षण में कोताही बरती गई, तो भविष्य में ऐसा संकट पैदा होगा, जिससे निपटना आसान नहीं होगा।

- संजय वर्मा 'दृष्टि', धार, मप्र

रूस ने फिर दिखाई मिसाइल ताकत, आईसीबीएम से साधा हजारों किमी का लक्ष्य

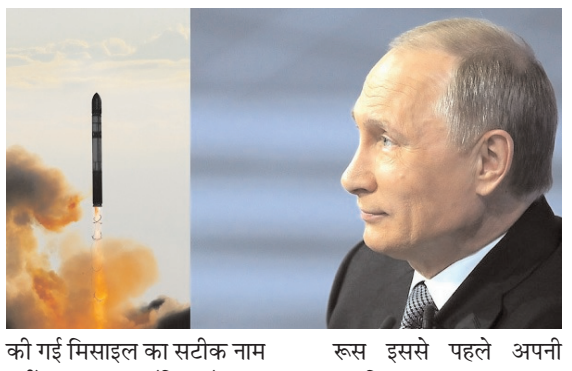

मॉस्को। रूस ने इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) का सफल परीक्षण किया है। मिसाइल को उत्तर-पश्चिमी अर्खांगेल्स्क क्षेत्र स्थित प्लेसेत्स्क कॉस्मोड्रोम से लॉन्च किया गया और इसका टेस्ट वॉरहेड देश के सुदूर पूर्व में कामचटका प्रायद्वीप स्थित कुरा ट्रेनिंग रेंज तक पहुंचा।

रूस की अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क रशिया टुडे (आरटी) ने रक्षा मंत्रालय के शुक्रवार को जारी बयान के हवाले से बताया कि परीक्षण के दौरान निर्धारित सभी लक्ष्य और कार्य पूरी तरह हासिल किए गए। मंत्रालय के अनुसार, परीक्षण से मिसाइल की तकनीकी क्षमता और उड़ान संबंधी विशेषताओं की पुष्टि हुई है।

रूस ने परीक्षण में इस्तेमाल की गई मिसाइल का सटीक नाम नहीं बताया। हालांकि, मंत्रालय ने इसे मोबाइल-लॉन्च सॉलिड-फ्यूल सिस्टम बताया है। यह परीक्षण रूस की स्ट्रैटेजिक मिसाइल फोर्स की एक ट्रेनिंग एक्सरसाइज का हिस्सा था। अभ्यास के दौरान एक मोबाइल आईसीबीएम लॉन्च बैटरी को दूरदराज के इलाके में तैनात किया गया, जिसके बाद मिसाइल लॉन्च करने की पूरी प्रक्रिया को अंजाम दिया गया।

रूस इससे पहले अपनी अत्याधुनिक आरएस-28 सरमत आईसीबीएम का परीक्षण कर चुका है। रिपोर्टों के मुताबिक, सरमत कई री-एंट्री व्हीकल्स के जरिए भारी परमाणु वॉरहेड ले जाने में सक्षम है। इसे रूस की रणनीतिक परमाणु क्षमता का अहम हिस्सा माना जाता है।

रिपोर्टों के अनुसार, सरमत के साथ हाइपरसोनिक ग्लाइडर तकनीक का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।

पश्चिम के साथ 2022 से पहले वाले संबंध अब संभव नहीं: रूसी विदेश मंत्री

मॉस्को। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने मॉस्को में इस सप्ताह हुई हाई-लेवल कूटनीतिक गतिविधियों को लेकर बयान दिया है। उन्होंने वेटिकन के वरिष्ठ राजनयिक आर्कबिशप पॉल रिचर्ड गैलाघर के साथ हुई बातचीत की जानकारी साझा की, जबकि सीआईए डायरेक्टर जॉन रैटक्लिफ के रूस दौरे को लेकर उन्होंने बेहद सीमित जानकारी दी।

रूस की अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क रशिया टुडे (आरटी) के मुताबिक, गैलाघर और रैटक्लिफ दोनों इस सप्ताह मॉस्को पहुंचे थे। इन दौरों को लेकर पूछे गए सवाल पर लावरोव ने कहा कि दोनों मामलों में मॉस्को आने वाले प्रतिनिधियों ने खुद बातचीत की इच्छा जताई थी।

नेपाल में सुरंगों में फंसे लोगों के रेस्क्यू के लिए भारत ने भेजी टीम, 10 टन राहत सामग्री भी पहुंची।

इक्वाडोर के पूर्व राष्ट्रपति लेनिन मोरेनो को 5 साल की सजा, चीनी कंपनी से रिश्वतखोरी के दोषी पाए गए

क्विटो। इक्वाडोर के पूर्व राष्ट्रपति लेनिन मोरेनो को एक चीनी कंपनी से रिश्वत लेने के मामले में दोषी ठहराते हुए पांच साल जेल की सज़ा सुनाई है। अदालत के मुताबिक, मोरेनो ने हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट के निर्माण का ठेका दिलाने में मदद करने के बदले रिश्वत ली थी।

अमेरिकी राष्ट्रीय प्रसारण कंपनी एनबीसी के मुताबिक 73 वर्षीय मोरेनो शुक्रवार को अदालत में मौजूद थे। शारीरिक विकलांगता के कारण वे चलने में असमर्थ हैं। अदालत ने उन्हें जेल भेजने के बजाय घर में नजरबंद रखकर सज़ा काटने का आदेश दिया है।

यह मामला उस समय का है जब मोरेनो, पूर्व राष्ट्रपति राफेल कोरिया के कार्यकाल में इक्वाडोर के उपराष्ट्रपति थे। अभियोजन पक्ष के अनुसार, वर्ष 2008 से 2018 के बीच एक भ्रष्टाचार नेटवर्क सक्रिय था, जिसने चीन की कंपनी सिनोहाइड्रो से जुड़े प्रोजेक्ट की कुल लागत का करीब 4 फीसदी कमीशन के तौर पर वसूला।

अभियोजकों ने आरोप लगाया कि यह रकम घरेलू और अंतरराष्ट्रीय लेन-देन के जरिए सरकारी अधिकारियों तथा मोरेनो समेत अन्य लोगों तक पहुंचाई गई। मामले में मोरेनो की पत्नी और बेटी को भी दोषी ठहराया गया है और दोनों को 30-30 महीने की सज़ा सुनाई गई है। उनके दो भाइयों और एक जीजा को भी मामले में दोषी पाया गया।

अदालत ने दोषियों को कथित तौर पर अवैध तरीके से हासिल की गई रकम का तीन गुना हिस्सा 90 दिनों के भीतर वापस करने का आदेश दिया है।

मामला चीन की कंपनी सिनोहाइड्रो द्वारा बनाए गए कोका कोडो सिंक्लेयर हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट से जुड़ा है। कंपनी ने वर्ष 2010 में करीब 2 अरब डॉलर की लागत वाले इस प्रोजेक्ट का निर्माण शुरू किया था और 2016 में इसे इक्वाडोर को सौंप दिया। बाद में परियोजना की डिजाइन और निर्माण में कथित खामियों को लेकर सवाल उठते रहे।

लेनिन मोरेनो इक्वाडोर के तीसरे पूर्व राष्ट्रपति हैं जिन्हें भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में सज़ा सुनाई गई है। हालांकि, उनके खिलाफ मामला राष्ट्रपति बनने से पहले उपराष्ट्रपति के कार्यकाल के दौरान कथित अपराधों से जुड़ा है।

पूर्व राष्ट्रपति राफेल कोरिया को 2020 में ब्राजील की निर्माण कंपनी ओडेब्रेक्ट से जुड़े रिश्वतखोरी मामले में आठ साल की सज़ा सुनाई गई थी। कोरिया कई वर्षों से बेल्जियम में रह रहे हैं और वहीं से मामले का सामना कर रहे हैं।

बलूचिस्तान की कोयला खदान में जहरीली गैस से हुई तीन खनिकों की मौत

डुक्की। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के डुक्की जिले में एक कोयला खदान के भीतर जहरीली गैस जमा होने से तीन खनिकों की मौत हो गई। स्थानीय रिपोर्टों के मुताबिक, हादसा खदान के अंदर गैस के रिसाव और जमा होने के कारण हुआ।

बलूचिस्तान का ऑनलाइन समाचार नेटवर्क %द बलूचिस्तान पोस्ट% के मुताबिक मृतकों की पहचान बराकजई कबीले के पाई मुहम्मद के बेटे खान, अचकजई कबीले के फतेह मुहम्मद के बेटे सिराजुद्दीन और अफगानिस्तान निवासी अलीजई कबीले के अब्दुल्ला के रूप में हुई है।

हादसे के बाद डुक्की में पाकिस्तान यूनाइटेड वर्कर्स फेडरेशन (पीयूडब्ल्यूएफ) के अध्यक्ष शेर मुहम्मद काकर ने खनन क्षेत्र में सुरक्षा इंतजामों पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सुरक्षा उपायों की कमी और कमजोर निगरानी के कारण कोयला खदानों में लगातार हादसे हो रहे हैं।

शेर मुहम्मद काकर ने अधिकारियों से खदानों में सुरक्षा मानकों को सख्ती से लागू करने और श्रमिकों को पर्याप्त सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने हादसे की परिस्थितियों की जांच कराने की भी अपील की।

बलूचिस्तान के कोयला खदान क्षेत्रों में दुर्घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं। जहरीली गैस के जमा होने और अन्य सुरक्षा जोखिमों के कारण यहां कई खनिक अपनी जान गंवा चुके हैं।

ताजा हादसे ने एक बार फिर खनन क्षेत्र में श्रमिकों की सुरक्षा और सुरक्षा मानकों के प्रभावी पालन को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान अगले हफ्ते करेंगे त्रिपक्षीय सैन्य अभ्यास

सियोल। दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान अगले महीने की शुरुआत में एक बार फिर संयुक्त सैन्य अभ्यास करेंगे। दक्षिण कोरिया के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने शुक्रवार को बताया कि तीनों देशों का बहु-क्षेत्रीय 'फ्रीडम एज' सैन्य अभ्यास 7 से 11 सितंबर तक दक्षिण कोरिया के दक्षिणी तट के पास अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में आयोजित किया जाएगा।

दक्षिण कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी योनहाप ने जेसीएस के हवाले से बताया कि यह अभ्यास जेजू द्वीप के पूर्व और दक्षिण में समुद्री क्षेत्र में होगा। इसमें तीनों देशों की सेनाओं के बीच विभिन्न क्षेत्रों में संयुक्त संचालन और आपसी समन्वय को मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा। जेसीएस ने कहा कि 'फ्रीडम एज' अभ्यास रक्षात्मक प्रकृति का है।

सीपीएल से जुड़ीं शिखा पांडे, यास्तिका भाटिया समेत चार भारतीय महिला क्रिकेटर।

नीरज चोपड़ा चोट के कारण डायमंड लीग फाइनल और एशियाई खेलों से बाहर

नई दिल्ली। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने शनिवार को टखने की चोट के कारण मौजूदा सत्र के बाकी सभी मुकाबलों से हटने का फैसला किया। इसके साथ ही वह अगले सप्ताह ब्रसेल्स में होने वाले डायमंड लीग फाइनल और सितंबर में जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

28 वर्षीय नीरज ने सोशल मीडिया के जरिए बताया कि लॉजेन डायमंड लीग में सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के कुछ समय बाद अभ्यास के दौरान उनके टखने के लिगामेंट में चोट लगी। उन्होंने डॉक्टर और अपनी टीम से चर्चा के बाद पूरे सत्र से बाहर रहने का फैसला किया है।

नीरज ने कहा, कड़ी मेहनत के बाद मुझे आखिरकार लॉजेन में सत्र के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ उस लय का एहसास होने लगा था, जिसकी मैं तलाश कर रहा था। दुर्भाग्य से इसके कुछ समय बाद अभ्यास के दौरान मेरे टखने के लिगामेंट में चोट लग गई। डॉक्टर और टीम से चर्चा के बाद हमने फैसला किया है कि मैं इस सत्र के बाकी हिस्से में हिस्सा नहीं लूंगा।

नीरज का इस सत्र में आखिरी मुकाबला लॉजेन डायमंड लीग था, जहां उन्होंने 88.05 मीटर के प्रदर्शन के साथ रजत पदक जीता था। इससे पहले दोहा डायमंड लीग में वह 85.69 मीटर के थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे थे।

एशियाई खेलों में पदक का रंग बदलना चाहती हैं आशी चौकसे, बोलीं- 'हम अजेय होंगे'

भोपाल। वर्ष 2018 में निशानेबाजी की दुनिया में कदम रखने वाली भारतीय राइफल निशानेबाज आशी चौकसे अब अपने दूसरे एशियाई खेलों के लिए तैयार हैं। 24 वर्षीय आशी ने पिछले एशियाई खेलों में तीन पदक जीते थे और अब जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में अपने पिछले प्रदर्शन को स्वर्ण पदक में बदलने के लक्ष्य के साथ उतरेंगी।

आशी ने 2022 एशियाई खेलों में, जो 2023 में आयोजित हुए थे, महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टीम और महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन टीम स्पर्धा में रजत पदक जीते थे। इसके अलावा उन्होंने महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया था।

पिछले एशियाई खेलों का अनुभव आशी के लिए आगामी प्रतियोगिता में काफी मददगार साबित होगा। उन्होंने कहा कि अब उन्हें इस स्तर की प्रतियोगिता में प्रदर्शन करने की बेहतर समझ और आत्मविश्वास है।

आशी ने एक बयान में कहा, एशियाई खेल ओलंपिक के बाद सबसे बड़े बहु-खेल आयोजनों में से एक हैं और मैं पहले भी वहां हिस्सा ले चुकी हूं। मैंने उस मंच पर प्रदर्शन किया है और मुझे पता है कि वहां क्या करना होता है।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर खेल मंत्री ने दिया फिटनेस का संदेश, हर सप्ताह एक घंटा मैदान में बिताएं

नई दिल्ली। महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की 121वीं जयंती के अवसर पर शनिवार को देशभर में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर नई दिल्ली स्थित मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में विशेष खेल कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल शामिल हुए।

इस वर्ष राष्ट्रीय खेल दिवस का मुख्य आकर्षण राष्ट्रव्यापी 'एक घंटा खेल के मैदान में' अभियान रहा। इसका उद्देश्य विशेष रूप से युवाओं को कम-से-कम एक घंटा खेल और शारीरिक गतिविधियों के लिए समर्पित करने के लिए प्रेरित करना है।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. मनसुख मांडविया और अर्जुन राम मेघवाल ने मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि देने के साथ की। सुबह आठ बजे से सैकड़ों प्रतिभागियों ने विभिन्न खेल एवं फिटनेस गतिविधियों में हिस्सा लिया।

इस अवसर पर डॉ. मांडविया ने कहा कि 'एक घंटा खेल के मैदान में' अभियान का उद्देश्य फिट इंडिया आंदोलन को मजबूत करना और लोगों को खेलों को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित करना है।

उन्होंने कहा, मेजर ध्यानचंद की 121वीं जयंती के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर देशभर में 'एक घंटा खेल के मैदान में' कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इसका उद्देश्य फिट इंडिया आंदोलन को बढ़ावा देना है।

खेल मंत्री ने कहा कि देशभर में लाखों युवा सड़कों और मैदानों में एक घंटे खेलने के लिए सक्रिय रूप से आगे आ रहे हैं। डॉ. मांडविया ने कहा, नए भारत के निर्माण के लिए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हर व्यक्ति स्वस्थ रहे और समाज स्वस्थ हो। यही हमें एक समृद्ध राष्ट्र बनाने में मदद करेगा। आइए, हर सप्ताह एक घंटा खेल के मैदान में बिताएं और अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने भी राष्ट्रीय खेल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए नियमित खेल और शारीरिक गतिविधियों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि खेल शारीरिक रूप से फिट और मानसिक रूप से तनावमुक्त रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा, खेल हमेशा मेरे जीवन का हिस्सा रहे हैं। कबड्डी और फुटबॉल से लेकर लगभग हर दिन बैडमिंटन खेलने तक, खेल मेरे जीवन का हिस्सा हैं। मेरा व्यक्तिगत मंत्र है- सुबह संगीत और शाम को खेल।

एएचएफ महिला जूनियर एशिया कप के लिए चीन रवाना हुई भारतीय जूनियर हॉकी टीम

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम शनिवार को एएचएफ महिला जूनियर एशिया कप 2026 में हिस्सा लेने के लिए चीन के मोकी रवाना हो गई। प्रतियोगिता का आयोजन 4 से 13 सितंबर तक होगा। 18 सदस्यीय भारतीय टीम की कमान मिडफील्डर खैदेम शिलैमा चानू संभालेंगी।

नवनियुक्त मुख्य कोच टिम व्हाइट के मार्गदर्शन में भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के लिए लंबे समय तक तैयारी की है। टीम ने इस साल गर्मियों में ब्रिटेन का महत्वपूर्ण दौरा भी किया, जहां उसे शीर्ष स्तर कीओ टीमों के खिलाफ खेलने का अनुभव मिला।

5 से 14 जुलाई तक एडिनबर्ग और लिलेशल में हुए ब्रिटेन दौरे के दौरान भारत ने स्कॉटलैंड की सीनियर महिला टीम के अलावा अमेरिका, इंग्लैंड और बेल्जियम की जूनियर टीमों के खिलाफ कुल सात मुकाबले खेले। भारत ने अमेरिका को 6-0 से हराया, जबकि इंग्लैंड के खिलाफ लगातार दो मुकाबलों में 2-0 की जीत दर्ज की। अमेरिका के खिलाफ एक अन्य मुकाबला 1-1 से बराबर रहने के बाद भारत ने पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से जीत हासिल की।

इस दौरे से भारतीय टीम को स्कॉटलैंड की अनुभवी सीनियर टीम और बेल्जियम की मजबूत अंडर-21 टीम के खिलाफ खेलने का भी अहम अनुभव मिला।

रवाना होने से पहले मुख्य कोच टिम व्हाइट ने कहा, टीम एशिया कप के लिए चीन जाने को लेकर काफी उत्साहित है। हमारी तैयारी अच्छी रही है।

ब्रीफ न्यूज

केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद में ध्यानचंद की 121वीं जयंती खेल दिवस के रूप में आयोजित

जबलपुर। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी की केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के तत्वावधान में शनिवार को हॉकी के जादूगर ध्यानचंद की 121 जयंती को खेल दिवस के रूप में मनाया गया।

केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के महासचिव फिरोज कुमार मेश्राम, सचिव कार्यालय नितिन खत्री, सचिव खेल एमसी बालोदी, पूर्व खेल सचिव अनिल अलंग सहित सभी खेल प्रभारियों, खिलाड़ियों, महिलाओं व बच्चों ने परिषद के मशाल परिसर में स्थापित ध्यानचंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 में हॉकी के जादूगर की प्रतिमा स्थापित की गई। यह मध्य प्रदेश में हॉकी के जादूगर की स्थापित होने वाली पहली प्रतिमा है।

प्रत्येक कार्मिक को प्रतिदिन 30 मिनट की शारीरिक गतिविधि पर सर्वोच्च प्राथमिकता दे-केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के महासचिव ने इस अवसर पर उपस्थित जन को संबोधित करते हुए कहा कि समस्त विद्युत कंपनियों के कार्मिकों का आह्वान किया कि वे फिट इंडिया मूव्हमेंट के अनुरूप कम से कम एक घंटा खेल के मैदान में बिताएं। उन्होंने कहा कि खेल दिवस पर केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद का ध्येय व संकल्प है कि हर कर्मचारी वर्ष में कम से कम एक खेल से जुड़े और प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट शारीरिक गतिविधि करे। मेश्राम ने कहा कि वर्तमान जीवनचर्या को देखते हुए प्रत्येक कार्मिक को प्रतिदिन 30 मिनट की शारीरिक गतिविधि पर सर्वोच्च प्राथमिकता देना चाहिए।

हाइवे पर बाघिन को घेरकर खड़े हुए लोग, आक्रोशित होकर राहगीरों की ओर दौड़ी; बाल-बाल बचे लोग

उमरिया। मध्य प्रदेश के उमरिया जिले से गुजरने वाले एनएच-78 पर शुक्रवार शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब घुनघुटी वन परिक्षेत्र में ऋजुवन ढाबे के पास जंगल से निकलकर एक बाघिन सड़क पार करती दिखाई दी। बाघिन को देखने के लिए राहगीरों ने अपने वाहन रोक दिए। कुछ ही देर में सड़क के दोनों ओर लोगों की भीड़ जमा हो गई और कई लोग मोबाइल से उसका वीडियो बनाने लगे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ देर तक बाघिन सड़क पार करने के लिए आगे बढ़ती रही। इस दौरान लगातार बढ़ती भीड़ और उसकी ओर किए जा रहे मोबाइल कैमरों के कारण बाघिन का व्यवहार अचानक आक्रामक हो गया। उसने मुंह खोला और लोगों की दिशा में दौड़ लगा दी। बाघिन को अपनी ओर आता देखकर राहगीरों में हड़कंप मच गया और लोग पीछे हटने लगे। हालांकि, बाघिन ने किसी व्यक्ति पर हमला नहीं किया और कुछ देर बाद जंगल की ओर लौट गई।

घटना का वीडियो अब सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित हो रहा है। बताया जा रहा है कि वीडियो शुक्रवार शाम का है। बाघिन को देखने के लिए बड़ी संख्या में वाहन हाईवे पर रुक गए थे, जिससे कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित हुआ।

घटना की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग ने क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी है।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान । केंट विधानसभा में मंत्री-अधिकारी आमने-सामने, अस्पताल से जल संयंत्र तक जांची व्यवस्थाएं

जनता के बीच उतरा प्रशासन, सरकारी संस्थानों की खुली पड़ताल

अस्पताल में इलाज, नलों में पानी... हर मोर्चे पर परखी सरकार की 'सेवा'

रांझी सिविल अस्पताल से जल शोधन संयंत्र तक पहुंची टीम, निर्माणाधीन भवन का लिया जायजा; पानी के सैंपल की जांच में पारदर्शिता और समय-सीमा के निर्देश

जबलपुर। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत शनिवार को जबलपुर के केंट विधानसभा क्षेत्र में सरकारी व्यवस्थाओं की जमीनी परीक्षा हुई। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की अलग-अलग टीमों ने क्षेत्र में पहुंचकर स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों, स्वास्थ्य केंद्रों, राशन दुकानों और छात्रावासों का निरीक्षण किया। सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ वास्तव में लोगों तक पहुंच रहा है या नहीं, इसकी जानकारी सीधे नागरिकों से ली गई। अभियान के दौरान अधिकारियों ने मौके पर व्यवस्थाएं देखीं और सामने आई समस्याओं के तत्काल निराकरण के निर्देश भी दिए।

इस दौरान लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अशोक रोहाणी, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय और नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे।

सिविल अस्पताल पहुंचकर परखी स्वास्थ्य व्यवस्था

मुख्यमंत्री जन विश्वास यात्रा के दौरान लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने रांझी स्थित सिविल अस्पताल का निरीक्षण किया। अस्पताल पहुंचकर उन्होंने उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं और मरीजों के लिए की गई व्यवस्थाओं की जानकारी ली। अस्पताल में उपचार व्यवस्था, आवश्यक सुविधाओं और निर्माण कार्य से जुड़े बिंदुओं पर अधिकारियों से चर्चा की गई।

मंत्री ने अस्पताल के नवीन भवन के निर्माण कार्य का भी मौके पर अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण की प्रगति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों से कहा कि नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाया जाए। अस्पताल जैसी महत्वपूर्ण सार्वजनिक सुविधा में मरीजों को किसी प्रकार की

परेशानी न हो, इस दिशा में लगातार निगरानी की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया।

जल संयंत्र में पानी की 'कसौटी'

स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लेने के बाद मंत्री राकेश सिंह रांझी स्थित जल शोधन संयंत्र पहुंचे। यहां उन्होंने पानी को शुद्ध करने की पूरी प्रक्रिया को देखा और अधिकारियों से संयंत्र की कार्यप्रणाली की जानकारी ली। उन्होंने संयंत्र में आने वाली शिकायतों, उनके निराकरण और पेयजल की गुणवत्ता की निगरानी से जुड़े इंतजामों के बारे में भी पूछताछ की।

मंत्री ने विशेष रूप से पानी की गुणवत्ता की जांच के लिए लिए जाने वाले सैंपलों की प्रक्रिया को समझा। अधिकारियों ने उन्हें सैंपल लिए जाने से लेकर उनकी जांच तक की प्रक्रिया की जानकारी दी।

सैंपल में खेल नहीं, हर जांच पर नजर

राकेश सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जल गुणवत्ता की जांच के लिए सैंपल लेने की प्रक्रिया पूरी तरह व्यवस्थित और पारदर्शी होनी चाहिए। सैंपलों की जांच निर्धारित समय-सीमा में सुनिश्चित की जाए और पूरी प्रक्रिया की नियमित निगरानी की जाए।

उन्होंने कहा कि नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। पानी की गुणवत्ता से सीधे तौर पर लोगों का स्वास्थ्य जुड़ा है, इसलिए जांच व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

जनता से सीधे पूछा- कहां है परेशानी?

अभियान की सबसे अहम कड़ी रही नागरिकों से सीधी बातचीत। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने क्षेत्र के लोगों से उनकी समस्याएं और स्थानीय जरूरतें जानीं। सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने की स्थिति और विभिन्न विभागों की सेवाओं को लेकर लोगों की राय भी ली गई।

नागरिकों द्वारा बताई गई समस्याओं को संबंधित विभागों तक पहुंचाते हुए अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। अभियान के दौरान यह भी प्रयास किया गया कि सरकारी संस्थानों में व्यवस्थाएं केवल कागजों पर नहीं, बल्कि जमीन पर भी प्रभावी दिखाई दें।

मैदानी हकीकत जानने निकली सरकार

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के जरिए शासन और प्रशासन को सीधे जनता के बीच पहुंचाकर योजनाओं और सेवाओं की वास्तविक स्थिति जानने का प्रयास किया जा रहा है। केंट विधानसभा क्षेत्र में शनिवार को हुए निरीक्षण में अस्पताल, पेयजल, शिक्षा, राशन, आंगनबाड़ी और छात्रावास जैसी मूलभूत सेवाओं को जांच के दायरे में रखा गया।

अभियान का संदेश साफ रहा कि सरकारी योजनाओं और नागरिक सुविधाओं की निगरानी केवल कार्यालयों तक सीमित नहीं रहेगी। अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाएं देखेंगे, जनता से फीडबैक लेंगे और सामने आने वाली कमियों पर कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

शिक्षा में शाजापुर की बड़ी छलांग, मध्यप्रदेश में तीसरे पायदान पर

शाजापुर। शिक्षा के क्षेत्र में शाजापुर जिले ने एक बार फिर अपनी मजबूत स्थिति दर्ज कराते हुए बड़ी उपलब्धि हासिल की है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स फॉर डिस्ट्रिक्ट्स (PGI-D) 2025-26 में शाजापुर ने मध्यप्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। जिले को 600 में से 318 अंक मिले हैं। यह उपलब्धि विद्यार्थियों के सीखने के स्तर में सुधार, प्रभावी कक्षा-कक्षीय शिक्षण, शिक्षक प्रशिक्षण और शिक्षा व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग के परिणाम के रूप में सामने आई है।

लर्निंग आउटकम और शिक्षण में बेहतर प्रदर्शन

PGI-D के 70 संकेतकों पर आधारित मूल्यांकन में शाजापुर ने आउटकम्स श्रेणी में 290 में से 171 अंक हासिल किए। इस श्रेणी में विद्यार्थियों के लर्निंग आउटकम्स, शिक्षा तक पहुंच तथा शिक्षकों की उपलब्धता और व्यावसायिक विकास जैसे पहलुओं का आकलन किया जाता है। जिले के विद्यार्थियों ने नेशनल अचीवमेंट सर्वे (NAS) में भी बेहतर प्रदर्शन किया है और कक्षा 3 में मध्यप्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त किया था।

तीन साल से शिक्षा पर विशेष जोर

पिछले तीन वर्षों से कलेक्टर ऋजु बाफना के नेतृत्व में जिले में शिक्षा को विशेष प्राथमिकता दी गई। स्कूलों की केवल निरीक्षण व्यवस्था पर निर्भर रहने के बजाय मेंटोरिंग, ट्रेनिंग, ट्रैकिंग और नियमित समीक्षा को शिक्षा सुधार की रणनीति बनाया गया। शिक्षकों को लगातार प्रशिक्षण और शैक्षणिक सहयोग उपलब्ध कराया गया, जिससे कक्षा-कक्षीय शिक्षण को अधिक प्रभावी बनाने पर जोर रहा।

शाजापुर ने इफेक्टिव क्लासरूम ट्रांजैक्शन में 90 में से 50 अंक हासिल किए। वहीं गवर्नेंस प्रोसेसेस में 84 में से 46 अंक मिले।

कलेक्टर ऋजु बाफना ने इस उपलब्धि पर शिक्षकों, अधिकारियों और पूरे शिक्षा परिवार को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश में तीसरा स्थान गर्व का विषय है, लेकिन यह अंतिम लक्ष्य नहीं है। विद्यार्थियों के सीखने के परिणामों में निरंतर सुधार के लिए प्रयास आगे भी जारी रहेंगे।

दो वाहनों में भीषण टक्कर के बाद लगी आग, जिंदा जला पिक अप वाहन चालक

झाबुआ। मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले अंतर्गत थांदला थाना क्षेत्र के एट लेन पहुंच मार्ग पर ग्राम बोरवा के निकट शुक्रवार रात ट्रक और पिकअप वाहन की भीषण टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। इस भीषण अग्नि कांड में पिक अप वाहन का चालक जिंदा जल गया, जबकि ट्रक चालक मौके की नजाकत देखते हुए दुर्घटना स्थल से भाग खड़ा हुआ। हादसे की खबर मिलते ही वहां आसपास के निवासी ग्रामीण मौके पर पहुंच गए, और तत्काल 112 और फायर

ब्रिगेड को सूचना दी गई। फायर ब्रिगेड द्वारा बमुश्किल आग पर काबू पाया जा सका। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची, और आरंभिक कार्यवाही के बाद जांच शुरू कर दी गई।

दुर्घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार रक्षाबंधन की आधी रात थांदला थाना क्षेत्र के एट लेन पहुंच मार्ग पर ग्राम बोरवा के निकट ट्रक और पिकअप वाहन के बीच हुई भीषण टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि उसमें घिरे पिक अप वाहन चालक को अपने बचाव का भी मौका नहीं मिला, और वह उस आग में जिंदा जल गया,इधर पिक अप वाहन चालक के जिंदा जलने से हुई मौत के बाद मौके की नजाकत देखते हुए ट्रक चालक वहां से भाग खड़ा हुआ।

सड़क पर लड़ रहे मवेशी से बाइक चवार युवक से टकराया, कंधे की हड्डी टूटी

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में सड़क पर लड़ रहे मवेशियों की चपेट में आने से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में उसके कंधे की हड्डी टूट गई। घायल युवक को जिला चिकित्सालय अनूपपुर में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।

घायल शहडोल जिले के झिरिया, थाना केशवाही निवासी 26 वर्षीय कमलेश बैगा पुत्र राजू बैगा ने बताया कि शुक्रवार-शनिवार की रात रक्षाबंधन पर बाइक से फुनगा पुलिस चौकी क्षेत्र के मन्टोलिया गांव स्थित अपने ससुराल जा रहे थे। ससुराल से कुछ किलोमीटर पहले सड़क पर मवेशियों का झुंड लड़ रहा था। इसी दौरान दो मवेशी अचानक बाइक की तरफ कूद गए। इससे कमलेश बाइक समेत सड़क पर गिर गए। गिरने के दौरान बाइक का हैंडल कमलेश के कंधे पर जा लगा। इससे उनके कंधे में अंदरूनी चोट आई और हड्डी टूट गई। हादसे के बाद वहां से गुजर रहे बाइक सवारों ने उन्हें सड़क से हटाया और परिजनों को सूचना दी।

सूचना मिलने पर ससुराल से परिजन मौके पर पहुंचे और रात में ही कमलेश को जिला चिकित्सालय अनूपपुर लेकर गए। डॉक्टरों ने प्रारंभिक जांच में कंधे की हड्डी टूटने की पुष्टि की है।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत कलेक्टर सुश्री बाफना ने शाजापुर शहरी क्षेत्रो में विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया

शाजापुर। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान 2026 के अंतर्गत आज कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने शाजापुर शहरी क्षेत्रो के विभिन्न स्थानों का भ्रमण कर विकास कार्यों का निरीक्षण किया। कलेक्टर सुश्री बाफना ने ग्राम सांपखेड़ा में अमृत 2.0 योजना अंतर्गत निर्माणाधीन पार्क का निरीक्षण किया। उन्होंने बाउंड्रीवाल में जगह जगह क्रेक होने पर नाराजगी व्यक्त कर लोक निर्माण विभाग से निर्माण कार्यो की जांच कराने तथा ठेकेदार का भुगतान रोकने के निर्देश दिए। कलेक्टर सुश्री बाफना ने यहां पार्क की साफ सफाई कराने, पानी निकासी कराने, पेवर ब्लॉक, बाउंड्रीवाल को ठीक कराने, बेंच व झूले उच्च गुणवत्ता के लगाने, निर्माण कार्यों में गुणवत्तायुक्त सामग्री का उपयोग करने के निर्देश दिए। कलेक्टर सुश्री बाफना ने वार्ड क्रमांक 26 स्थित लाड़ली लक्ष्मी पार्क में पौधा रोपण करने, साफ सफाई, पानी निकासी, बाउंड्रीवाल को ठीक कराने, बेंच व झूले उच्च गुणवत्ता के लगाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने वार्ड क्रमांक 26 विजय नगर स्थित नाले की साफ सफाई कराकर गहरीकरण कराने, नाले पर जाली लगाने के निर्देश दिए। कलेक्टर सुश्री बाफना ने वार्ड क्रमांक 27 में संजीवनी क्लिनिक का निरीक्षण किया। कलेक्टर सुश्री बाफना ने निर्माण कार्य निर्धारित मापदंड अनुसार एवं गुणवत्ता पूर्ण नहीं होने पर ठेकेदार पर ब्लेक लिस्ट की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने खिड़की ठीक करने व जाली लगाने, पानी सीपेज की मरम्मत कराने तथा बाउंड्रीवाल का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर सुश्री बाफना ने नगर पालिका शाजापुर कार्यालय के पीछे एवं लालघाटी में निर्माणाधीन ओवरहेड टैंक (OHT) का निरीक्षण कर जल निगम के माध्यम से जांच कराने सहित अन्य निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

उज्जैन में गूंजी मालवा की लोक ध्वनि: संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार एवं संगीत नाटक अकादमी के सहयोग से हुआ माच' का भव्य मंचन

देवर भौजाई नाटक की जीवंत प्रस्तुति ने दर्शकों को बांधा, वरिष्ठ माच साधकों का हुआ सम्मान

उज्जैन। मालवा की समृद्ध एवं ऐतिहासिक लोक नाट्य परंपरा %माच' को जीवंत रूप में प्रस्तुत करने हेतु संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली के सहयोग से उज्जैन के लक्क?गंज (मालीपुरा) स्थित कमेटी हॉल में भव्य %लोकनाट्य महोत्सव' का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन लोक संस्कृति कला समिति, सागर (म.प्र.) द्वारा किया गया। कार्यक्रम में झलकारी बाई सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था, त्रिनेत्रा सांस्कृतिक संस्थान तथा डॉ. भीमराव अंबेडकर साहित्यिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक समिति (उज्जैन) का विशेष सहयोग रहा।

पारंपरिक खेल %देवर भौजाई' का मनमोहक मंचन लोक नाट्य महोत्सव के अंतर्गत गुरु बालमुकुन्द द्वारा रचित पारंपरिक माच खेल %देवर भौजाई' की प्रस्तुति हिन्दू विश्राम माच मण्डल, मेंडकवास (देपालपुर, इंदौर) के कलाकारों द्वारा दी गई। माच गुरु बाबूलाल पंवार के निर्देशन एवं सुरेशचन्द्र पंवार के संचालन में कलाकारों ने पारिवारिक मर्यादा, त्याग व मालवी लोक-संस्कृति से ओत-प्रोत कथानक को अपनी ओजस्वी गायकी और संवाद अदायगी से जीवंत कर दिया।

मंच पर भूमिकाएं बाबूलाल पंवार (प्रेमसंतोषी), सुरेशचन्द्र पंवार (राजा), हीरालाल बो?ाना व अन्तरलाल पंवार (रानी पाठ), हुकमचन्द खट्या (शेरखां), विनोद कटारिया एवं कन्हैयालाल %काना' (दासी) ने निभाई। संगतकार हारमोनियम पर मांगीलाल पंवार एवं ढोलक की थाप पर बाबूलाल राव ने समां बांधा।

मंगला एक्सप्रेस में मचा हड़कंप । खाना खाने के बाद एक-एक कर बीमार पड़े स्कूली बच्चे

पेंट्री का खाना पड़ा भारी! 20 बच्चों की तबीयत बिगड़ी, खंडवा में ट्रेन रोककर चला इलाज

उल्टी, जी मिचलाने और बेचैनी की शिकायत के बाद मची अफरा-तफरी; 40 मिनट स्टेशन पर खड़ी रही मंगला लक्षद्वीप एक्सप्रेस, फूड पॉइजनिंग की आशंका

खण्डवा। दिल्ली से केरल लौट रहे स्कूली बच्चों से भरी मंगला लक्षद्वीप एक्सप्रेस में शुक्रवार रात उस समय हड़कंप मच गया, जब ट्रेन में खाना खाने के बाद करीब 15 से 20 बच्चों की अचानक तबीयत बिगड़ गई। एक के बाद एक बच्चों को उल्टी, जी मिचलाने और बेचैनी की शिकायत होने लगी। हालत बिगड़ने की सूचना रेलवे अधिकारियों तक पहुंचते ही खंडवा स्टेशन पर मेडिकल टीम को तत्काल तैयार किया गया। ट्रेन के पहुंचते ही डॉक्टरों ने कोच में ही बच्चों की जांच शुरू कर दी और प्राथमिक उपचार दिया।

खाना खाते ही शुरू हुई परेशानी

जानकारी के अनुसार बीमार हुए बच्चे केरल के रहने वाले हैं और एक क्रिश्चियन स्कूल से जुड़े बताए गए हैं। बच्चों की उम्र करीब 15 से 18 वर्ष है। वे स्कूल स्टाफ के साथ शैक्षणिक भ्रमण के लिए दिल्ली गए थे। टूर समाप्त होने के बाद सभी बच्चे ट्रेन से केरल वापस लौट रहे थे।

बताया गया कि इटारसी स्टेशन के बाद बच्चों ने ट्रेन की पेंट्री कार से खाना मंगाया था। खाना खाने के कुछ समय बाद बच्चों ने असहज महसूस करना शुरू किया। पहले कुछ बच्चों को उल्टी और जी मिचलाने की शिकायत हुई, फिर धीरे-धीरे करीब 15 से 20 बच्चे बीमार पड़ गए। बच्चों की हालत बिगड़ते देख ट्रेन में मौजूद स्टाफ ने रेलवे अधिकारियों को सूचना दी।

खंडवा पहुंचने से पहले मेडिकल टीम तैयार

रेलवे को सूचना मिलते ही खंडवा स्टेशन पर डॉक्टरों की टीम को अलर्ट कर दिया गया। मंगला लक्षद्वीप एक्सप्रेस रात करीब ९:05 बजे खंडवा रेलवे स्टेशन पहुंची। ट्रेन रुकते ही स्वास्थ्य और प्रशासनिक अमला सक्रिय हो गया।

जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. अनिरुद्ध कौशल, सीएसपी अभिनव बारंगे, सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर सहित रेलवे और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। मेडिकल टीम ने प्रभावित बच्चों की ट्रेन के भीतर ही जांच की और आवश्यक दवाइयां दीं।

फूड पॉइजनिंग की आशंका

प्रारंभिक जांच में चिकित्सकों ने बच्चों की तबीयत बिगड़ने के पीछे फूड पॉइजनिंग की आशंका जताई है। हालांकि, बीमारी की वास्तविक वजह की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। बच्चों ने ट्रेन की पेंट्री से खाना लिया था, इसलिए भोजन की गुणवत्ता और उससे संबंधित पहलुओं पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

40 मिनट खड़ी रही मंगला एक्सप्रेस

स्टेशन मास्टर जीएल मीणा के अनुसार, बच्चों की तबीयत खराब होने की सूचना ट्रेन के खंडवा पहुंचने से पहले ही मिल चुकी थी। इसलिए मेडिकल टीम को स्टेशन पर तैयार रखा गया था। ट्रेन के रुकते ही डॉक्टरों ने बच्चों की जांच और उपचार शुरू कर दिया।

करीब 40 मिनट तक ट्रेन खंडवा स्टेशन पर खड़ी रही।

» न्यूज कैप्सूल »

आठ गांवों के 10 हजार ग्रामीण मोबाइल नेटवर्क से महरूम

6 किलोमीटर के दायरे में नहीं है टेलीकॉम कंपनी का टावर

ललितपुर। ग्रामीण अंचलों में डिजिटल इंडिया के दावों के बीच मोबाइल नेटवर्क की बदहाल स्थिति ग्रामीणों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बनी हुई है। जिले के आठ गांवों के करीब 8 से 10 हजार मोबाइल उपभोक्ता लंबे समय से मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट की समस्या से जूझ रहे हैं। हालात यह हैं कि जरूरी फोन करने के लिए ग्रामीणों को अपने घरों से करीब 200 से 300 मीटर दूर खेतों अथवा रास्तों पर जाकर नेटवर्क तलाशना पड़ता है। मोबाइल नेटवर्क की समस्या से पाचौनी, बरखिरिया, इमलिया, कारीटोरन, धोवनखेरी, खड़ोबरा, पठापुरा और खुशीपुरा गांवों के ग्रामीण परेशान हैं। ग्रामीणों का कहना है कि करीब छह किलोमीटर के क्षेत्रफल में किसी भी टेलीकॉम कंपनी का मोबाइल टावर नहीं है। इसके चलते मोबाइल पर बात करना तो दूर, इंटरनेट सेवा का इस्तेमाल करना भी मुश्किल बना हुआ है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से दूरसंचार कंपनियों के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्रवाई कराने की अपील की है, ताकि क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध हो सके। ग्रामीणों का कहना है कि मोबाइल नेटवर्क आज के समय में केवल बातचीत का माध्यम नहीं, बल्कि शिक्षा, सरकारी सेवाओं, डिजिटल भुगतान, रोजगार और आपातकालीन सेवाओं की महत्वपूर्ण आवश्यकता बन चुका है। ऐसे में गांवों में नेटवर्क सुविधा उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है।

जातिसूचक शब्दों से किया अपमान

ललितपुर। थाना कोतवाली क्षेत्र के ग्राम चकमहरौनी निवासी जितेन्द्र चौधरी पुत्र गनू अहिरवार ने बताया कि गांव के ही विनोद यादव पुत्र दयाराम, हजरत पुत्र देवकीनन्दन, इन्द्रपाल पुत्र वीरन और भरत पुत्र भवानी सिंह ने जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए उसका अपमान किया और कथित तौर पर लात-घूंसों से मारपीट की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर बीएनएस की धारा 352, 115(2) और 351(3) तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा 3(1)(द), 3(1)(घ) और 3(2)(व्ही.ए.) के तहत चारों नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

युवक से मारपीट, मुकदमा दर्ज

ललितपुर। थाना बानपुर क्षेत्र के ग्राम बानौनी निवासी राजा जू पुत्र अशोक यादव ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गांव का ही कन्छेदी पुत्र जुकते लुहार वहां पहुंचा और बरसात के पानी के निकास को लेकर उसके साथ कथित तौर पर मारपीट कर दी। थाना बानपुर पुलिस ने बीएनएस की धारा 115(2), 352 और 351(3) के तहत नामजद आरोपी कन्छेदी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

टीन शेड के नीचे सो रहे बुजुर्ग पर हमला

ललितपुर। थाना जखौरा क्षेत्र के ग्राम कारीपहाड़ी निवासी श्याम पुत्र भुवानी रैकवार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि घर के दरवाजे पर बने टीन शेड के नीचे प्रभु पुत्र खुमान सहरिया सो रहा था। इसी दौरान दो व्यक्ति वहां पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। थाना जखौरा पुलिस ने बीएनएस की धारा 115(2), 351(3) और 352 के तहत मामला दर्ज किया है।

व्यापारी मंडल की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आज

व्यापारी सम्मेलन में तहसील व नगर इकाई के पदाधिकारी लेंगे शपथ

तालबेहट। बाँसी व्यापार मंडल की ओर से रविवार को व्यापारी सम्मेलन एवं कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 11 बजे बाँसी स्थित जैन ढाबा पर होगा। इसमें तालबेहट तहसील इकाई एवं नगर बौंसी व्यापार मंडल की कार्यकारिणी के पदाधिकारी शपथ ग्रहण करेंगे।

कार्यक्रम में व्यापार मंडल के प्रांतीय उपाध्यक्ष पंडित मनीष सेंगर एवं उद्योग मंच के प्रांतीय उपाध्यक्ष कमलेश सराफ द्वारा मनोनीत पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई जाएगी। व्यापार मंडल की ओर से क्षेत्र के व्यापारियों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। समारोह में व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं और संगठन को मजबूत करने को लेकर भी चर्चा होने की उम्मीद है।

चार नामजद समेत लोगों पर लाठी-डंडों से हमला करने का आरोप, मुकदमा दर्ज

तालबेहट। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गूगर निवासी खुशीराम अहिरवार ने चार लोगों पर घर के दरवाजे पर आकर गाली-गलौज और लाठी-डंडों से मारपीट करने का आरोप लगाया है। पीड़ति ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। तहरीर के अनुसार घटना 28 अगस्त की दोपहर करीब दो बजे की है। खुशीराम खेत की बारी तोड़कर घर लौटा था। आरोप है कि इसी दौरान किशनलाल पाल, दिनेश पाल, हरिलाल पाल और फूलचंद्र पाल निवासी गूगर घर के दरवाजे पर आए और कमलेश पाल की बहू जशोदा पाल को भगाने को लेकर हुए विवाद के संबंध में गाली-गलौज करने लगे। खुशीराम ने गाली देने से मना किया तो आरोपियों ने लाठी-डंडों से उसके साथ मारपीट शुरू कर दी।

हॉकी के जादूगर दद्दा ध्यानचंद की ललितपुर से जुड़ी यादें आज भी हैं जीवंत

बचपन के सखा मथुरा बाबू ने 1957 में कराया था सम्मान में ऐतिहासिक हॉकी शो मैच

ललितपुर। हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले महान खिलाड़ी दद्दा ध्यानचंद का नाम भारतीय खेल इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। उनकी हॉकी की जादुई कला की चर्चाएं आज भी होती हैं, लेकिन ललितपुर की धरती से जुड़ी उनकी कुछ ऐसी यादें भी हैं, जो खेल प्रेमियों के लिए किसी धरोहर से कम नहीं। वर्ष 1957 में ललितपुर के पुलिस लाइन ग्राउंड में दद्दा ध्यानचंद के सम्मान में एक ऐतिहासिक हॉकी शो मैच का आयोजन किया गया था। इस आयोजन की पहल दद्दा के बचपन के सखा और स्वयं बेहतरीन हॉकी खिलाड़ी रहे स्व.बाबू मथुरा प्रसाद श्रीवास्तव ने की थी। मैच की रेफरीशिप मथुरा बाबू और याकूब साहब ने संयुक्त रूप से की थी। बताया जाता है कि इस मुकाबले के लिए ललितपुर के खिलाड़ि?ों ने मथुरा बाबू और याकूब साहब के निर्देशन में विशेष अभ्यास किया था, ताकि देश के महान हॉकी खिलाड़ी दद्दा ध्यानचंद के साथ मैदान साझा करते हुए ललितपुर का नाम रोशन किया जा सके। शो मैच के दौरान दद्दा

ध्यानचंद ने ललितपुर के खिलाड़ि?ों को हॉकी की बारीकियों और खेल की तकनीक से परिचित कराया। उन्होंने स्वयं मैदान में उतरकर खेलते हुए खिलाड़ि?ों का उत्साह बढ़ाया। उस दौर के खिलाड़ि?ों के लिए यह अवसर केवल एक मैच नहीं, बल्कि हॉकी के महानायक से सीखने और उनके साथ खेलने का अविस्मरणीय अनुभव था। स्व.मथुरा प्रसाद श्रीवास्तव का दद्दा ध्यानचंद और उनके छोटे भाई कैप्टन रूप सिंह से बेहद आत्मीय संबंध था। वे झांसी हीरोज टीम में दोनों महान खिलाड़ि?ों के साथ हॉकी खेलते थे। इतना ही नहीं, तीनों झांसी के मैकडोनल हाई स्कूल में सहपाठी भी रहे। यही विद्यालय आज बिपिन बिहारी कॉलेज के नाम से जाना जाता है। उस ऐतिहासिक शो मैच में ललितपुर के प्रमुख खिलाड़ि?ों में श्री गोविंद दास अग्रवाल, गौरीशंकर सिन्हा, वृंदावन लाल, मोहम्मद अनीस, सैयद सेव अली, सरदार गुरमुख सिंह, सरदार स्वर्ण सिंह, पैट्रिक विलियम और परमानंद हुँडेत सहित अनेक खिलाड़ी शामिल रहे। इन खिलाड़ि?ों ने उस दौर में ललितपुर में हॉकी की पहचान को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज जब खेल दिवस के अवसर पर हम दद्दा ध्यानचंद जैसे महान खिलाड़ि?ों को याद करते हैं, तब उनके साथ मैदान साझा करने वाले उन स्थानीय खिलाड़ि?ों और खेल प्रेमियों को याद करना भी उतना ही आवश्यक है, जिन्होंने उस दौर की खेल संस्कृति को जीवित रखा। सरदार गुरमुख सिंह, जो आज भी हमारे बीच हैं, उस ऐतिहासिक मैच की यादों को बेहद रोचक अंदाज में सुनाते हैं। उनके संस्मरणों में वह दौर आज भी जीवंत हो उठता है, जब ललितपुर की पुलिस लाइन का मैदान हॉकी के जादूगर दद्दा ध्यानचंद की उपस्थिति का साक्षी बना था। खेल दिवस पर उन सभी महान खिलाड़ि?ों, खेलप्रेमियों और हॉकी को समर्पित व्यक्तित्वों को सादर नमन, जिनके प्रयासों से ललितपुर की खेल विरासत ने एक गौरवशाली अध्याय लिखा। ना रुकी थी वक्त की गर्दिश, ना जमाना बदला, पेड़ सूखा तो परिंदों ने ठिकाना बदला। वक्त बदल गया, मैदान बदल गए, लेकिन दद्दा ध्यानचंद और उनके दौर की हॉकी की स्मृतियां आज भी ललितपुर की मिट्टी में सांस लेती हैं।

बारिश के चलते नगर से गांवों तक बिजली संकट

दो दर्जन गांवों में 10 से 15 घंटे तक आपूर्ति रही बाधित

तालबेहट। क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। बारिश और तेज हवाओं के चलते बिजली आपूर्ति व्यवस्था भी चरमरा गई। नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक कई जगह लाइन में फाल्ट और तार टूटने से घंटों बिजली गुल रही। ग्रामीण क्षेत्रों में तो 10 से 15 घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहने से उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। बिजली नहीं आने से पेयजल संकट भी गहरा गया।

लगातार बारिश के कारण कई स्थानों पर बिजली लाइनों में फाल्ट आ गए। वहीं तेज हवाओं से कई जगह तार टूट गए। कई जगह ट्रांसफर खराब हुए। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय तक आपूर्ति बाधित रही। फाल्ट ठीक करने में बारिश के बीच विद्युत विभाग के कर्मचारियों को भी परेशानी उठानी पड़ी। इधर, लंबे समय तक बिजली नहीं आने से उपभोक्ताओं में विभाग के प्रति नाराजगी बनी रही। बृहस्पतिवार शाम करीब सात बजे आपूर्ति बहाल हुई। इसके बाद शुक्रवार सुबह से फिर बिजली नहीं आई। शुक्रवार की रात बिजली शुरू हुई और बन्द होती रही। शनिवार की सुबह में बिजली आने जाने का सिलसिला जारी रहा।

नगर में भी दिनभर बिजली की आंख-मिचौली

नगर क्षेत्र में भी शुक्रवार रात लाइन में फाल्ट आने से दो नंबर फीडर की आपूर्ति ठप हो गई। शनिवार सुबह से नगर के दोनों फीडरों में बिजली के आने-जाने का सिलसिला जारी रहा। इससे नगरवासियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा।

बारिश से पहले कराए गए कार्यों पर उठे सवाल

उपभोक्ताओं का आरोप है कि बारिश शुरू होने से पहले विद्युत विभाग ने लाइनों के आसपास पेड़ों की डालियों और झाड़ियों की कटाई के साथ फाल्ट रोकने तथा लाइनों को दुरुस्त करने का कार्य कराया था। इस दौरान कई घंटे बिजली आपूर्ति भी बाधित रही थी। इसके बावजूद बारिश शुरू होते ही जगह-जगह फाल्ट आने से विभागीय तैयारियों पर सवाल उठ रहे हैं। उपभोक्ताओं ने उच्चाधिकारियों से बारिश से पहले कराए गए कार्यों की जांच कराने की मांग की है, ताकि इसकी हकीकत सामने आ सके।

फाल्ट ठीक कर आपूर्ति बहाल कराने में जुटा विभाग

जेई गौरव कुमार ने बताया कि विद्युत आपूर्ति पूरी तरह सुचारु कर दी गई है। कई जगह ट्रांसफार्मर डैमेज हुए हैं जिनको बदलने का कार्य किया जा रहा है।

बारिश से कई गांवों का संपर्क मार्ग बंद, आवागमन ठप

खांदी, मऊ, मुकटौरा, भदौना समेत दर्जनों गांवों के रास्ते जलमग्न

रेलवे पुल के नीचे चार से पांच फीट पानी भरा, रजपुरा-जिजरवारा मार्ग भी कटा

तालबेहट। लगातार हो रही बारिश से क्षेत्र के कई ग्रामों के संपर्क मार्गों पर जलभराव और सड़क कटने से ग्रामीणों का आवागमन प्रभावित हो गया है। खांदी, मऊ, मुकटौरा, भदौना समेत दर्जनों गांवों को जोड़ने वाले मार्ग पर रेलवे पुल के नीचे चार से पांच फीट तक पानी भर गया है। इससे ग्रामीणों को आने-जाने में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

थानगांव क्षेत्र के कई मजरों के संपर्क मार्ग भी जलभराव के कारण प्रभावित हैं। रास्तों पर पानी भरने से ग्रामीणों का मुख्य मार्गों से संपर्क टूट गया है। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के दौरान हर वर्ष इन रास्तों पर जलभराव की समस्या उत्पन्न होती है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं हो सका है।

रजपुरा-जिजरवारा मार्ग बारिश में कटा

ग्राम रजपुरा से जिजरवारा को जाने वाली मंडी परिषद की सड़क भी बरसात के कारण कट गई है। इससे झूमरनाथ-रजपुरा संपर्क मार्ग बाधित हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार पिछले वर्ष भी बारिश के दौरान सड़क कट गई थी। उस समय निजी साधन से मिट्टी आदि डलवाकर रास्ते को किसी तरह

आवागमन योग्य कराया गया था। ग्रामीणों ने बताया कि मौके पर पुलिया बनी हुई है, लेकिन सड़क कटने से आवागमन प्रभावित हो रहा है। समस्या के स्थायी समाधान के लिए पुलिया के आसपास सुरक्षा दीवार का निर्माण जरूरी है। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायत अथवा क्षेत्र पंचायत के माध्यम से भी सुरक्षा दीवार का निर्माण कराया जा सकता है। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से मौके का निरीक्षण कर शीघ्र स्थायी समाधान कराने की मांग की है।

दो माह से बिजली संकट से परेशान ग्रामीणों ने मिर्चवारा पावर हाउस घेरा

चढ़रऊ के ग्रामीणों का हंगामा, मशीनें बंद कर विद्युत कर्मियों से धक्का-मुक्की का आरोप

सड़क जाम कर ट्रैक्टर पर चढ़कर की नारेबाजी

अधिकारियों के डीपी बदलने के आश्वासन पर शांत हुआ मामला

मिर्चवारा मार्ग पर लगा वाहनों का लंबा जाम

ललितपुर। दो माह से विद्युत आपूर्ति बाधित होने का आरोप लगाते हुए शनिवार सुबह ग्राम चढ़रऊ के आधा सैकड़ा से अधिक ग्रामीणों ने मिर्चवारा पावर हाउस पहुंचकर जमकर हंगामा किया। ग्रामीणों ने पावर हाउस में विद्युत आपूर्ति से संबंधित मशीनें बंद कर दीं। इस दौरान वहां मौजूद विद्युत कर्मियों के साथ कथित रूप से गाली-गलौज और धक्का-मुक्की भी की गई। इसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मिर्चवारा

मार्ग पर जाम लगा दिया और ट्रैक्टर पर चढ़कर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह करीब 8.45 बजे चढ़रऊ गांव के 50 से अधिक ग्रामीण लामबंद होकर मिर्चवारा पावर हाउस पहुंच गए। ग्रामीणों का आरोप था कि गांव में पिछले करीब दो माह से बिजली आपूर्ति व्यवस्था लगातार प्रभावित है। बार-बार डीपी फुंकने और विद्युत आपूर्ति बाधित होने से ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आक्रोशित ग्रामीणों ने पावर हाउस में पहुंचकर विद्युत आपूर्ति से जुड़ी मशीनें बंद कर दीं। आरोप है कि इस दौरान विद्युत कर्मियों के साथ अभद्रता, गाली-गलौज और धक्का-मुक्की की गई। इसके बाद ग्रामीण पावर हाउस से बाहर आ गए और मिर्चवारा मार्ग पर जाम लगाकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। सड़क जाम होने से मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। प्रदर्शन के दौरान कुछ ग्रामीण ट्रैक्टर पर चढ़ गए और विद्युत समस्या के समाधान की मांग को लेकर जमकर नारेबाजी की। इससे मौके पर काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। सूचना मिलने पर प्रशासन और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें समझाने का प्रयास किया। अधिकारियों ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि गांव में खराब डीपी को हटाकर नई डीपी लगाकर विद्युत आपूर्ति व्यवस्था दुरुस्त कराई जाएगी। आश्वासन मिलने के बाद ग्रामीणों ने प्रदर्शन समाप्त कर जाम खोल दिया। बताया गया है कि ग्राम कल्याणपुरा से करीब 30 से 32 किलोमीटर लंबी 33 केवी विद्युत लाइन मिर्चवारा पावर हाउस तक आती है। मिर्चवारा पावर हाउस से आसपास के करीब दो दर्जन से अधिक ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति की जाती है। लंबी लाइन और ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ते विद्युत लोड के कारण भी आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित होने की बात सामने आ रही है। ग्रामीणों के अनुसार चढ़रऊ गांव में अलग-अलग डीपी से विद्युत कनेक्शन जुड़े होने के कारण कई बार अत्यधिक लोड पड़ जाता है। इससे डीपी फुंकने की समस्या सामने आती है और गांव की विद्युत आपूर्ति ठप हो जाती है। ग्रामीणों ने क्षेत्र में अवैध विद्युत संयोजनों और नियमित जांच नहीं होने को भी समस्या का एक कारण बताया है। हालांकि, अधिकारियों के मौके पर पहुंचने और डीपी बदलकर नई डीपी लगाए जाने का आश्वासन दिए जाने के बाद ग्रामीण शांत हुए। फिलहाल प्रशासन और विद्युत विभाग के आश्वासन के बाद प्रदर्शन समाप्त हो गया है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द विद्युत व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो वे दोबारा आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

बानपुर पुलिस ने चार वारंटी अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

न्यायालय में पेश कर भेजा गया, डगराना गांव के रहने वाले हैं सभी आरोपी

ललितपुर। वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बानपुर पुलिस ने शनिवार को चार वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने सभी आरोपियों को नियमानुसार न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन तथा एएसपी कालू सिंह और क्षेत्राधिकारी महरौनी अरविन्द्र कुमार पाण्डेय के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। थाना बानपुर पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए वारंटियों में ग्राम डगराना निवासी वृषभान उर्फ वृगभाग पुत्र ऊदल, मानसिंह पुत्र नन्दलाल, राजेश पुत्र इमरत तथा जगदीश पुत्र गोकुल प्रसाद शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक वृषभान उर्फ वृगभाग, मानसिंह और राजेश के विरुद्ध केस संख्या 45/15, धारा 147, 323, 504 एवं 506 भादवि से संबंधित न्यायालयी वारंट लंबित था। वहीं जगदीश के विरुद्ध केस संख्या 65/12 एवं 84/23, धारा 60(1) आबकारी अधिनियम से संबंधित वारंट लंबित थे। चारों अभियुक्तों को 29 अगस्त 2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक मजिस्ट्रेट/सिविल जज (जूनियर डिवीजन) के समक्ष पेश किया गया। कार्रवाई करने वाली टीम में थानाध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी, उपनिरीक्षक रामप्रकाश तिवारी, हेड कांस्टेबल जुबैर आलम, कांस्टेबल प्रताप सिंह तथा महिला कांस्टेबल भावना शर्मा, थाना बानपुर शामिल रहे।

पेड़ों को राखी बांधकर लिया वृक्षों की रक्षा का संकल्प

गोविंद सागर बांध की तलहटी में डैम ग्रुप के तत्वावधान में हुआ अनूठा कार्यक्रम

ललितपुर। डैम ग्रुप के तत्वावधान में शनिवार को गोविंद सागर बांध की तलहटी में लगाए गए वृक्षों को रक्षा सूत्र (राखी) बांधकर उनकी सुरक्षा एवं संरक्षण का संकल्प लिया गया। अध्यक्षता स्वामी अनुराग अमर ने की, जबकि नेतृत्व बुविसे प्रमुख हरीश कपूर टीटू ने किया। इस दौरान डैम ग्रुप के सदस्यों ने बांध की तलहटी में लगे विभिन्न पेड़ों को राखी बांधी और उनकी नियमित देखभाल, सुरक्षा तथा संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पेड़ों को मानव जीवन का अभिन्न अंग बताया गया। बुविसे प्रमुख ने कहा कि वृक्ष हमें जीवन प्रदान करते हैं। जीवनदायिनी ऑक्सीजन के साथ-साथ फल, फूल और अनेक उपयोगी संसाधन हमें पेड़ों से प्राप्त होते हैं। उन्होंने कहा कि वृक्ष केवल मनुष्य के लिए ही उपयोगी नहीं हैं, बल्कि पशु-पक्षियों और सभी प्रकार के जीव-जंतुओं को आश्रय, भोजन और जीवन का आधार भी

प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हम अपने परिवार के सदस्यों की रक्षा करते हैं, उसी प्रकार पेड़ों की भी रक्षा करना हमारा दायित्व है। वृक्षों से हमें प्रकृति के प्रति समर्पण और निस्वार्थ सेवा की सीख मिलती है। यदि हम पर्यावरण को सुरक्षित रखना चाहते हैं तो अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ-साथ लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी होगी। अध्यक्षता कर रहे स्वामी अनुराग अमर ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम पांच वृक्ष अवश्य लगाने चाहिए और उनकी देखभाल करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मनुष्य सहित प्रत्येक जीव के लिए ऑक्सीजन आवश्यक है और प्रकृति में ऑक्सीजन के संतुलन को बनाए रखने में वृक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वह पौधरोपण के साथ उनके संरक्षण को भी अपनी जिम्मेदारी समझें, ताकि आने वाली पीढ़ि?ों के लिए पर्यावरण हरा-भरा और स्वच्छ बना रहे। कार्यक्रम के दौरान डैम ग्रुप के विभिन्न सदस्यों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया और वृक्षों को रक्षा सूत्र बांधकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने संकल्प लिया कि वह लगाए गए वृक्षों की नियमित देखभाल करेंगे और अधिक से अधिक लोगों को वृक्ष संरक्षण के लिए प्रेरित करेंगे। इस दौरान स्वामी अनुराग अमर, हरीश कपूर टीटू, लक्ष्मी नारायण विश्वकर्मा आचार्य, महेन्द्र अग्निहोत्री, अमित सोनी पत्रकार, विजय श्रीवास्तव, मनोज मिश्रा, पप्पू यादव, हंस स्वामी, करोड़ीलाल कुशवाहा, लखनलाल विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे।

आठ गांवों के 10 हजार ग्रामीण मोबाइल नेटवर्क से महरूम

6 किलोमीटर के दायरे में नहीं है टेलीकॉम कंपनी का टावर

खेतों और रास्तों पर जाकर करना पड़ता है फोन

नेटवर्क के अभाव में सरकारी योजनाओं का ऑनलाइन काम प्रभावित

बच्चों की पढ़ाई पर भी पड़ रहा असर

ललितपुर। ग्रामीण अंचलों में डिजिटल इंडिया के दावों के बीच मोबाइल नेटवर्क की बदहाल स्थिति ग्रामीणों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बनी हुई है। जिले के आठ गांवों के करीब 8 से 10 हजार मोबाइल उपभोक्ता लंबे समय से मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट की समस्या से जूझ रहे हैं। हालात यह हैं कि जरूरी फोन करने के लिए ग्रामीणों को अपने घरों से करीब 200 से 300 मीटर दूर खेतों अथवा रास्तों पर जाकर नेटवर्क तलाशना पड़ता है। मोबाइल नेटवर्क की समस्या से पाचौनी, बरखिरिया, इमलिया, कारीटोरन, धोवनखेरी, खड़ोबरा, पठापुरा और खुशीपुरा गांवों के ग्रामीण परेशान हैं। ग्रामीणों का कहना है कि करीब छह किलोमीटर के क्षेत्रफल में किसी भी टेलीकॉम कंपनी का मोबाइल टावर नहीं है। इसके चलते मोबाइल पर बात करना तो दूर, इंटरनेट सेवा का इस्तेमाल करना भी मुश्किल बना हुआ है। ग्रामीणों के मुताबिक नेटवर्क की समस्या केवल रोजमर्रा के संपर्क तक सीमित नहीं है, बल्कि आपातकालीन परिस्थितियों में यह गंभीर समस्या बन जाती है। किसी व्यक्ति के बीमार पडने या दुर्घटना होने पर एम्बुलेंस, पुलिस अथवा अन्य आवश्यक सेवाओं से संपर्क करने के लिए भी ग्रामीणों को नेटवर्क वाले स्थान की तलाश में घर से बाहर निकलना पड़ता है। इससे आपात स्थिति में समय पर सहायता मिलने में परेशानी हो सकती है। ग्रामीणों ने बताया कि मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण केंद्र एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं से संबंधित ऑनलाइन प्रक्रियाओं का लाभ लेने में भी दिक्कतें आ रही हैं। पंचायत स्तर पर होने वाले ऑनलाइन कार्य प्रभावित हैं। कई जरूरी सूचनाएं और सेवाएं भी समय पर ग्रामीणों तक नहीं पहुंच पा रही हैं।

बरसात के पानी के निकास को लेकर विवाद, युवक से मारपीट

ललितपुर। थाना बानपुर क्षेत्र के ग्राम बानौनी में बरसात के पानी के निकास को लेकर हुए विवाद में एक युवक के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। तहरीर पर पुलिस ने नामजद आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम बानौनी निवासी राजा जू पुत्र अशोक यादव ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 27 अगस्त 2026 की शाम करीब सात बजे वह गांव में राकेश लुहार के मकान के बाहर बैठा हुआ था। इसी दौरान गांव का ही कन्छेदी पुत्र जुकते लुहार वहां पहुंचा और बरसात के पानी के निकास को लेकर उसके साथ गाली-गलौज करने लगा। राजा जू के अनुसार, जब उसने आरोपी को गाली देने से मना किया तो वह आक्रोशित हो गया और लात-घूंसों के साथ लाठी-डंडों से उसकी कथित तौर पर मारपीट कर दी। मारपीट के दौरान शोर सुनकर गांव के राघवेन्द्र सिंह पुत्र मजबूत सिंह यादव और राकेश पुत्र जुकते लुहार मौके पर पहुंच गए।

पढ़ाई के साथ खेल भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम: कुलपति

राष्ट्रीय खेल दिवस पर रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ, 05 सितंबर तक होंगे विभिन्न मुकाबले

झांसी। रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी में राष्ट्रीय खेल दिवस-2026 के अवसर पर शनिवार को विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के चित्र पर कुलपति डॉ. अशोक कुमार सिंह सहित विश्वविद्यालय के अधिकारियों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित कर की गई।

इस अवसर पर कुलपति डॉ. अशोक कुमार सिंह ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं हैं, बल्कि विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास, अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता को मजबूत करने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ विद्यार्थियों को खेलों में भी आगे बढ़ने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से बेहतर अवसर एवं सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों में टीम भावना, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित

होती है।

कुलपति ने स्वयं बैडमिंटन खेलकर राष्ट्रीय खेल दिवस के अंतर्गत आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया। कुलपति की खेल में सहभागिता से विद्यार्थियों एवं विश्वविद्यालय कर्मचारियों में खासा उत्साह देखने को मिला।

राष्ट्रीय खेल दिवस के तहत 29 अगस्त से 05 सितंबर 2026 तक विद्यार्थियों एवं विश्वविद्यालय कर्मचारियों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इनमें बैडमिंटन, ट्रैक एवं फील्ड इवेंट, टेबल टेनिस, कैरम, शतरंज, बास्केटबॉल, लॉन टेनिस, वॉलीबॉल, क्रिकेट, फुटबॉल एवं रस्साकशी सहित विभिन्न खेल शामिल हैं।

ट्रैक एवं फील्ड प्रतियोगिताओं में मैराथन के साथ 100 मीटर और 200 मीटर दौड़ तथा शॉटपुट, डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो, हाई जंप और लॉन्ग जंप जैसी स्पर्धाएं आयोजित होंगी। बैडमिंटन में सिंगल्स, डबल्स एवं मिक्स्ड डबल्स मुकाबले होंगे।

क्रिकेट प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय स्टाफ के बीच टीचिंग बनाम नॉन-टीचिंग तथा विद्यार्थियों के बीच कृषि विश्वविद्यालय बनाम उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय के मुकाबले विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

वॉलीबॉल प्रतियोगिता 1 से 3 सितंबर, टेबल टेनिस एवं कैरम प्रतियोगिताएं 1 से 2 सितंबर, फुटबॉल प्रतियोगिता 2 से 4 सितंबर तथा शतरंज प्रतियोगिता 3 सितंबर को आयोजित की जाएगी।

प्रतियोगिताओं के माध्यम से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। विश्वविद्यालय खेल समिति का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देना है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारी, खेल आयोजन समिति के सदस्य, शिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

» न्यूज कैप्सूल »

खेल दिवस पर मल्लखंभ कोच, खिलाड़ियों एवं खेल प्रणेताओं का सम्मान

झाँसी। जिला मल्लखंभ एसोसिएशन झाँसी के तत्वावधान में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर झाँसी महानगर के मल्लखंभ खेल से जुड़े कोच, प्रशिक्षकों एवं खिलाड़ियों तथा मल्लखंभ के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले खेल प्रणेताओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश मल्लखंभ एसोसिएशन के सचिव राम सिंह सिकोरिया मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला मल्लखंभ एसोसिएशन के अध्यक्ष मनमोहन गेड़ा ने की, जबकि जिला एसोसिएशन के सचिव गजानन खानवलकर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों एवं समिति के सदस्यों द्वारा मल्लखंभ पूजन के साथ किया गया। इसके उपरांत मल्लखंभ के प्रणेता श्रद्धेय पंडित कृष्ण गणेश खानवलकर (अन्ना जी) एवं हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर मल्लखंभ खेल के विकास और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने में योगदान देने वाले विभिन्न संस्थानों से जुड़े खेल प्रणेताओं को सम्मानित किया गया। इनमें जगदीश कौशल (श्री लक्ष्मी व्यायाम मंदिर), संतोष कुमार गुप्ता (बुंदेलखंड सेवा मंडल), केशव कुमार (बेसिक शिक्षा), डॉ. प्रमोद सिकोरिया (केंद्रीय विद्यालय संगठन), रामबाबू (जवाहर नवोदय विद्यालय), सुदर्शन शिवहरे (माध्यमिक शिक्षा), गजानन खानवलकर (बीएचईएल), रघुवीर रावत (विद्या भारती), काजल कुशवाहा (जय अकैडमी), दीपशिखा कुशवाहा (एनसीसी) सहित रितु प्रजापति, मनीष कोष्टा, अमन गौतम, अभिषेक आर्या, प्रियांशी कुशवाहा एवं योगेश गुप्ता को सम्मानित किया गया।

औद्योगिक विकास से ही होगा जनपद का चहुंमुखी विकास -डीएम

झांसी। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने कलेक्ट्रेट नवीन सभागार में जिला स्तरीय उद्योग बंधु समिति एवं जनपद स्तरीय एमओयू क्रियान्वयन इकाई की बैठक की। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास से ही जनपद का चहुंमुखी विकास संभव है। उद्यमियों की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण विभागीय अधिकारियों की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। निर्धारित समय सीमा में प्रकरणों का निस्तारण नहीं होने पर कार्रवाई के निर्देश दिए।

बैठक में जिलाधिकारी ने विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत पांच हलवाई लाभार्थियों को टूलकिट वितरित कर अपना रोजगार शुरू करने की शुभकामनाएं दीं। उपायुक्त उद्योग मनीष चौधरी ने बताया कि करीब 100 लाभार्थियों को टूलकिट वितरित की जा चुकी हैं।

डीएम ने कहा कि बुंदेलखंड में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देकर स्थानीय युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ उद्यमियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

बैठक में ग्रोथ सेंटर बिजौली के भूखंड संबंधी प्रकरणों की समीक्षा करते हुए डीएम ने संबंधित उद्यमी की समस्या का समाधान कराने के निर्देश दिए। आवासीय परिसर की मूलभूत समस्याओं के लिए प्राप्त 10 करोड़ रुपये के बजट से होने वाले कार्य को 15 सितंबर तक शुरू कराने के निर्देश भी दिए।

उपायुक्त उद्योग ने बताया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान में झांसी को प्रदेश में चौथी रैंक तथा सीएम डैशबोर्ड पर ए-प्लस श्रेणी मिली है। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना में भी जनपद की स्थिति प्रदेश के शीर्ष जनपदों में है। डीएम ने एमएसएमई इकाइयों द्वारा भू-गर्भ जल के अति दोहन पर प्रवर्तन कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

नशामुक्त भारत का संदेश देने 1 सितंबर को होगी 6 किमी दौड़

झांसी। नशामुक्त युवा विकसित भारत जन जागरूकता अभियान के तहत 1 सितंबर को बरुआसागर में 6 किलोमीटर वॉकथॉन प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मुख्य विकास अधिकारी रामेश्वर सुधाकर सब्बनवाड ने विकास भवन सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक कर जिम्मेदारियां सौंपीं।

सीडीओ ने कहा कि अब दौड़ सिर्फ जीतने के लिए नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव का संदेश देने के लिए होगी। उन्होंने छात्र-छात्राओं से उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करने का आह्वान किया। दौड़ के दौरान चिकित्सा एवं एंबुलेंस व्यवस्था, साफ-सफाई, गड्ढामुक्त सड़क, पुलिस और यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

उन्होंने अधिकारियों एवं उपस्थित लोगों को स्वयं नशे से दूर रहने तथा दूसरों को भी नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित करने का संकल्प दिलाया। बैठक में सीएमओ डॉ. शिशिर पुरी सहित स्वास्थ्य, नगरपालिका, यातायात पुलिस एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

ओपन-एयर सिनेमा क्लब का शानदार आगाज, 'टॉक्सिक' की हुई एक्सक्लूसिव स्क्रीनिंग

कमिश्नर विमल दुबे और नगर विधायक रवि शर्मा रहे मुख्य अतिथि, खुले आसमान के नीचे फिल्म देखने का दर्शकों ने उठाया लुत्फ

झांसी। नगर में मनोरंजन और पर्यटन को एक नया आयाम देने की दिशा में होटल 100 के3 रिसोर्ट की ओर से अनूठी पहल की गई। झांसी के पहले ओपन-एयर सिनेमा क्लब में रॉकिंग स्टार यश अभिनीत फिल्म 'टॉक्सिक' की एक्सक्लूसिव स्क्रीनिंग आयोजित की गई। खुले आसमान के नीचे बड़े पर्दे पर फिल्म देखने का यह नया अनुभव दर्शकों के बीच आकर्षण का केंद्र रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कमिश्नर विमल दुबे एवं नगर विधायक रवि शर्मा मौजूद रहे। इसके अलावा पर्यटन अधिकारी डी.के. शर्मा, आबकारी इंस्पेक्टर मनोज श्रीवास्तव तथा फिल्म निर्माता प्रमोद बोकाडिया अतिथि के रूप में शामिल हुए। अतिथियों ने दीप प्रज्वलन एवं अन्य औपचारिकताओं

के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा ओपन-एयर सिनेमा क्लब की इस पहल की सराहना की।

होटल 100 के3 रिसोर्ट के मालिक संजय गुप्ता एवं अजय गुप्ता ने बताया कि झांसी में मनोरंजन के क्षेत्र में कुछ नया करने के उद्देश्य से ओपन-एयर सिनेमा क्लब की शुरुआत की गई है। उनका प्रयास है कि शहरवासियों को पारंपरिक सिनेमा हॉल से अलग ऐसा अनुभव उपलब्ध कराया जाए, जहां परिवार और मित्रों के साथ खुले वातावरण में फिल्म का आनंद लिया जा सके। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इस तरह के विशेष आयोजनों को आयोजित करने की योजना है।

रिसोर्ट के सीईओ अभिषेक शर्मा एवं सह-संस्थापक अग्निवेश त्रिपाठी ने बताया कि ओपन-एयर सिनेमा क्लब को झांसी की मनोरंजन संस्कृति का नया हिस्सा बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उनका उद्देश्य केवल फिल्म प्रदर्शन तक सीमित न रहकर दर्शकों को बेहतर वातावरण, मनोरंजन और हॉस्पिटैलिटी का एक साथ अनुभव कराना है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में दर्शकों की पसंद को ध्यान में रखते हुए अन्य फिल्मों और विशेष कार्यक्रमों की स्क्रीनिंग भी प्रस्तावित है।

आयोजन के दौरान दर्शकों के लिए गौर्मे फूड एवं बेवरेज स्टॉल की भी व्यवस्था की गई थी। वहीं, दर्शकों के बैठने के लिए वीआईपी बीन बैग और कैबिन जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गईं। आयोजन स्थल पर पहुंचने वाले लोगों में फिल्म को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला।

फिल्म 'टॉक्सिक' की स्क्रीनिंग को लेकर खास बात यह रही कि दर्शकों को बंद हॉल के बजाय खुले आसमान के नीचे फिल्म देखने का अवसर मिला। रोशनी, बड़े पर्दे और खुले वातावरण के बीच फिल्म का प्रदर्शन दर्शकों के लिए यादगार अनुभव बना। आयोजन में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से लोग पहुंचे और उन्होंने इस नई अवधारणा की सराहना की।

कार्यक्रम में सत्यम कुमार साह, सह-संस्थापक, सहित अन्य गणमान्य नागरिक, अतिथिगण एवं दर्शक मौजूद रहे। आयोजकों ने बताया कि झांसी में इस तरह के आयोजनों को बढ़ावा देकर शहर में मनोरंजन के साथ-साथ पर्यटन गतिविधियों को भी प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जाएगा।

खेल दिवस की पूर्व संध्या पर महान तैराकों का हुआ सम्मान

अभिनंदन ग्रंथ समिति ने खिलाड़ियों को अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न भेंट कर बढ़ाया उत्साह

झांसी। राष्ट्रीय खेल दिवस की पूर्व संध्या पर विचार क्रांति अभियान अभिनंदन ग्रंथ समिति, झांसी के तत्वावधान में महान तैराकों एवं खेल प्रतिभाओं का अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष मैथिलीशरण मुदगिल की उपस्थिति में खिलाड़ियों को अंगवस्त्र पहनाकर एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

समारोह में मुख्य प्रशिक्षण स्थल ध्यानचंद स्टेडियम से जुड़े तैराक रामबाबू वारी, रामराज सिंह यादव, अंतरराष्ट्रीय एथलीट एवं रेल अधिकारी मिश्रीलाल, चंदन यादव तथा करुणेश श्रीवास्तव सहित अन्य खेल प्रतिभाओं का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और लगन समाज के युवाओं के लिए प्रेरणादायी है। खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और देश का गौरव बढ़ाने का महत्वपूर्ण साधन भी है।

इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने तैराकों एवं खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में ओम प्रकाश तिवारी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

समारोह का संचालन नवयुग स्पोर्ट्स एकेडमी के मुख्य प्रबंधक एवं खेलप्रेमी तैराक जनाब मंजर अली ने किया। उन्होंने सभी खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते हुए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

समिति की ओर से बताया गया कि खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से इस प्रकार के आयोजन भविष्य में भी किए जाते रहेंगे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अतिथियों को जलपान एवं साहित्य प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सम्यक दर्शन के बिना ज्ञान मिथ्या है: विशाश्री माताजी

झांसी। अतिशय क्षेत्र करगुवांजी में चल रहे 48 दिवसीय 1008 भक्तामर महा मण्डल आराधना विधान के सत्ताईसवें दिन शनिवार को गणिनी आर्यिका 105 विशाश्री माताजी ने मंगल देशना देते हुये कहा कि जिसके पास सम्यक दर्शन नहीं उसका ज्ञान मिथ्या है।सम्यक दर्शन के लक्षण बताते हुए गुरु मां ने कहा कि जिसमें सांसारिक भोगों के प्रति अरुचि है और भगवान की भक्ति के प्रति भाव ही सम्यक दर्शन का लक्षण है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार की चमक रत्नों अथवा मणि में होती है जो अंधेरे में भी प्रकाशित होकर अंधकार को दूर भगाने में सक्षम होती है वह चमक कांच के रत्नों में नहीं होती। उन्होंने कहा कि कीमत तो केवल्य ज्ञान की है जो सम्यक दर्शन से ही प्रकट होता है शेष ज्ञान तो मिथ्या ज्ञान है।

इससे पूर्व शनिवार के प्रथम पुण्यार्जक अनिल सुनीता जैन,रवि अनीता जैन,संजय कर्नल कुसुम जैन,चक्रेश अनीता जैन,देवेश केडी रुपम जैन, अक्षय अनुपमा,अंकित आयुषी आयुष प्रिया, अनुकृति, अवनी,अहान, क्यान,चार्बिक एवं समस्त श्री शिखर परिवार एवं द्वितीय पुण्यार्जक मंजू जितेंद्र बाबू जैन शामियाना, शुभांगी पूजा जैन गंज बासौदा, पायल जैन बैंक आफ बड़ौदा बरेली, आदविक एवं समस्त फणीस परिवार झांसी ने शांतिधारा का सौभाग्य प्राप्त किया, माताजी को शास्त्र भेंटकर पाद प्रक्षालन किया एवं समस्त धार्मिक क्रियायें सम्पन्न कराते हुए अर्घ समर्पित किये। तदुपरांत पुण्यार्जक परिवारों एवं बुंदेलखंड प्रेस वैलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष शीतल तिवारी का माला एवं पगड़ी पहनाकर दिगम्बर जैन पंचायत समिति के पदाधिकारियों ने सम्मानित किया।संचालन दिगम्बर जैन पंचायत के महामंत्री कमल? जैन लोकपथ एवं करगुवांजी मंत्री एड.शिरोमणी जैन ने संयुक्त रुप से किया।अंत में राजकुमार जैन बाबा ने सभी का आभार व्यक्त किया।इस मौके पर सुभाष जैन बिजली वाले,विनोद? जैन ठेकेदार, विधि सलाहकार अशोक जैनिथ, निर्माण मंत्री भागचंद जैन,बाहुबलि जैन,यूथप सर्राफ,अक्षत जैन सौरभ जैन संतोष जैन जल निगम संजय जैन, राजेन्द्र चौधरी तालबेहट राजेंद्र जैन बिजना आदि मौजूद रहे।

सनातन धर्म प्रचार हेतू रामेश्वर धाम यात्रा हुयी रवाना

झांसी स्टेशन पर तीर्थ यात्रियों का भागवत सत्संग मंडल के पदाधिकारियों ने किया सम्मान

झांसी। जगदगुरु आश्रम बमनुआ से रामेश्वर धाम की धर्म तीर्थ यात्रा धर्मनगरी झांसी से आज पूज्य वेदज्ञ आचार्य श्री अंश जी महाराज पीठाधीश्वर बमनुआ धाम के सानिध्य में 51 भक्तों का भक्त मंडल वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन से रवाना हुआ जिसमें रामेश्वर धाम पहुंचकर सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा एवं दिव्य सत्संग का आयोजन होगा और जो सभी भक्त गंगोत्री धाम से गंगाजल लाए है वह सभी भगवान रामेश्वर ज्योर्तिलिंग पर जलाभिषेक करेंगे साथ ही भगवान शिव का विधि विधान से पूजन अर्चन करेंगे व पूज्य आचार्य श्री अंश जी महाराज ने कहा कि यह यात्रा सनातन धर्म के प्रचार के लिए निकली है

जिससे सनातन धर्म का प्रचार भारत देश ही नहीं पूरे विश्व में हो और वहां पर श्रीमद् भागवत कथा भक्तों को श्रवण कराकर एवं दिव्य सत्संग के माध्यम से सनातन धर्म के प्रचार के लिए विशेष संदेश भी देंगे इस यात्रा में जो भक्तगण गए है उनमें मुख्य रूप से पं.मैथली शरण मुदगिल, रूपम मुदगिल, दिलीप मुदगिल, शकुन्तला मुदगिल, शिवकुमार तिवारी, सुनीता देवी, महेश मुदगिल, राजेश कुमार समेत 51 भक्तों का भक्त मंडल को भागवत सत्संग मंडल के पदाधिकारियों ने माल्यार्पण कर पट्टिका उड़ाकर सम्मानित किया तथा इस अवसर पर भागवत सत्संग मंडल की ओर से पं.सियारामशरण चतुर्वेदी, प्रणय मुदगिल, प्रशांत मुदगिल, संदीप साहू, मनोज साहू, सोनू राय, आशीष तिवारी डिप्टी मेयर/सभासद, सत्यम रामजी यादव, नरेश मिश्रा, दीपचन्द्र, विश्वनाथ मिश्रा, चंद्रमोहन तिवारी सहित आदि लोगों ने तीर्थ यात्रियों को सम्मानित किया।

मेजर ध्यानचंद की जयंती पर भाजपा जिलाध्यक्ष ने अर्पित की भावभीनी पुष्पांजलि

झांसी। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की 121वीं जयंती के अवसर पर शनिवार को देशभर में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर दद्दा ध्यानचंद म्यूजियम स्थित हीरोज ग्राउंड में भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह ने मेजर ध्यानचंद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि मेजर ध्यानचंद की अद्भुत खेल प्रतिभा और जादुई स्टिक वर्क ने भारतीय हॉकी को विश्व पटल पर नई पहचान दिलाई। उनके नेतृत्व में भारत ने 1928, 1932 और 1936 के ओलंपिक में लगातार तीन स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा। उन्होंने कहा कि मेजर ध्यानचंद झांसी की गौरवशाली पहचान हैं और युवा खिलाड़ियों को उनके जीवन एवं उपलब्धियों से प्रेरणा लेकर खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहिए।

खेलेगा भारत, जीतेगा भारत थीम के साथ राष्ट्रीय खेल दिवस का भव्य आयोजन

झांसी। राष्ट्रीय खेल दिवस-2026 के अवसर पर रेलवे बोर्ड के दिशा-निर्देशों के तहत मंडल खेलकूद संघ, झांसी एवं सीनियर रेलवे इंस्टीट्यूट द्वारा संयुक्त रूप से तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी अभियान के अंतर्गत विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। 28 से 30 अगस्त तक चलने वाले अभियान के तहत झांसी एवं ग्वालियर में हॉकी, फुटबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस एवं शतरंज सहित विभिन्न खेल गतिविधियां आयोजित की गईं।

मंडल रेल प्रबंधक श्री अनिरुद्ध कुमार की अध्यक्षता एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन)/मंडल खेलकूद अधिकारी श्री नन्दीश शुक्ल के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में रेलवे के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 29 अगस्त को आयोजित राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह में खिलाड़ियों को खेल भावना, अनुशासन, टीम भावना एवं स्वस्थ जीवनशैली के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। अधिकारियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेलों को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के साथ रेलवे परिवार में खेल संस्कृति एवं खेल गतिविधियों के प्रति सहभागिता बढ़ाना रहा। इस दौरान खेलेगा भारत, जीतेगा भारत के संदेश के साथ प्रतिभागियों ने स्वस्थ एवं सशक्त भारत के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया।

स्वामी निष्ठावान एडवरटाइजर्स एण्ड मीडिया प्रा.लि.,मुद्रक, प्रकाशक, श्रीमती रीता सिंह द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11, प्रेस कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर, भोपाल-462023, म.प्र. से मुद्रित एवं कैमासनपुरम, करगुँजी, मेडिकल कॉलज के पास, कानपुर रोड, झाँसी से प्रकाशित।
पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिम्मेदार (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झांसी रहेगा।) फोनः 9685229488, ई-मेलः janjanjagaran@gmail.com आर.एन.आई.नं. UPHIN 2012/47946